www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 148 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
19 अगस्त 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:39
सूर्यास्तः 06:41
अधिकतमः 33:00
न्यूनतमः 28:00

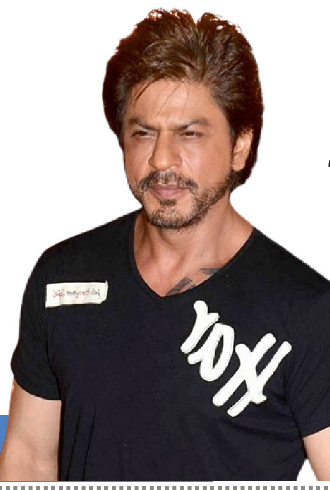

पेज 07

विशेष समाचार | नितिन नवीन की नई टीम ... >> पेज 04 | 59 साल पुराने मस्जिद मदरसे... >> पेज 06 | शाहरुख के घर मन्नत में ...

पीआरडी जवानों की बल्ले बल्ले

योगी का ऐलान- पीआरडी जवानों का भत्ता 600 करेंगे, कैशलैस योजना शुरू की, 5 लाख तक इलाज फ्री होगा

योजना

- गोरखपुर में पीआरडी जवानों के सम्मेलन में सीएम योगी ने पूर्व की सपा सरकार पर साधा निशाना
- पूर्व की सरकारों के एजेंडे में था सिर्फ स्वयं का विकास, सरकारी धन लूटकर छिपाते थे दुबई में : सीएम योगी
- वर्ष 2017 के बाद हुई प्रदेश की प्रगति सामूहिक प्रयास का परिणाम : सीएम योगी

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, गोरखपुर, लखनऊ। सीएम योगी ने मंगलवार को गोरखपुर में पीआरडी (प्रांतीय रक्षक दल) जवानों के लिए 'मुख्यमंत्री पीआरडी परिवार कल्याण योजना' का शुभारंभ किया। इसमें पीआरडी जवान के परिवार का 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज होगा। योगी ने ऐलान किया कि जल्द ही PRD जवानों का भत्ता रोजाना 600 किया जाएगा। इसकी तैयारी की जा चुकी है। अभी पीआरडी जवानों को 500 रुपए मिलते हैं। प्रदेश में 31 पीआरडी जवान रजिस्टर्ड हैं। इसमें 2 हजार से ज्यादा महिलाएं हैं। सीएम ने पीआरडी जवानों के वर्दी भत्ते के 3000 रुपए उनके खातों में ट्रांसफर किए। इससे पहले लखनऊ में बनने वाले पीआरडी भवन का शिलान्यास किया। 1948 में गठित प्रांतीय रक्षक दल के जवान (स्वयंसेवक) पुलिस के काम में मदद करते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

> योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में योगी ने कहा-पीआरडी जवानों को सुविधा मिली है तो उन्हें और बेहतर ढंग से काम करना होगा। हम सब भारतवासियों का एक ही लक्ष्य होना चाहिए। वह है 'देश प्रथम'। जो बांटने का काम करते हैं, उनसे सावधान रहने की जरूरत है। पीआरडी जवानों का भत्ता 2019 तक 250 रुपए था। 2019 में इसे बढ़ाकर 375 किया। 2022 में 395 रुपए किया। फिर 500 किया।

पैसा विदेशों में जमा करवाते थे, दिक्कत होने पर भागने का प्लान था

योगी ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा- पिछली सरकारें अपनी पीढ़ियों के लिए पैसा जमा करती थीं। प्रदेश का पैसा विदेशों में जमा करवाते थे। ये सोचते हैं कि कोई दिक्कत होगी तो वहां भाग जाएंगे। अमेरिका-ईरान युद्ध में मिसाइल वहीं गिर रही थी, जहां पैसा जमा था। युद्ध वहां हो रहा था, परेशान नेता थे। अब दंगाई और माफिया हमेशा के लिए रसातल में चले गए हैं।

अब दंगाई और माफिया हमेशा के लिए रसातल में चले गए हैं

योगी ने कहा- आज यूपी बीमारू नहीं रहा। विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। हमने यहां की अर्थव्यवस्था को तीन गुना कर दिया है। पहले 43 हजार प्रति व्यक्ति आय थी, आज 1 लाख 20 हजार हो गई है। आज बजट 9 लाख 70 हजार करोड़ पहुंच गया है। वे लुटवाते थे, लूटते थे। प्रदेश का पैसा विदेशों में जमा करवाते थे।

पहले पीआरडी जवानों को काम नहीं मिलता था आज जवान कम पड़ रहे

CM योगी ने कहा- पहले आपको ड्यूटी नहीं मिलती थी। आज पीआरडी के जवान कम पड़ जाते हैं। कोई काम नहीं है तो उन्हें ट्रैफिक में लगाइए, मेट्रो की सुरक्षा का दायित्व दीजिए, विभिन्न कार्यालयों की सुरक्षा का दायित्व दीजिए, पैमाइश करने के लिए, औद्योगिक संस्थानों की सुरक्षा का दायित्व दीजिए। उसकी ट्रेनिंग हो, समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाएं।

पहले सैफई सिंडिकेट तक सीमित था प्रदेश का विकास : मुख्यमंत्री

राहुल गांधी ने किरेन रिजिजू के दावे पर किया पलटवार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने दिल्ली पुलिस की तारीफ करते हुए दावा किया था कि किसी भी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा; किसी की भी हड्डी नहीं टूटी। गंभीर चोट के कारण कोई भी प्रदर्शनकारी अस्पताल में भर्ती नहीं है। इस पर राहुल गांधी ने सरकार पर छात्रों के साथ कथित बर्बरता को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि देश के बच्चों से झूठ नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि उनके पास आंखें भी हैं और याददाश्त भी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि मोदी सरकार के मंत्री कह रहे हैं कि "दिल्ली पुलिस की तारीफ करनी चाहिए।" राहुल गांधी ने दावा किया कि वह खुद उन घायल छात्रों से मिले हैं और देश ने इस घटना से जुड़े हजारों वीडियो देखे हैं।

मैं विधायक बना था तब अमित शाह बच्चे थे : खड़गे

मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल हुए

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

पणजी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि जब मैं पहली बार विधायक बना था, तब अमित शाह बच्चे थे और आज हमें देशभक्ति सिखा रहे हैं। उन्होंने यह बात दक्षिण गोवा में एक जनसभा में कही।

वहीं, खड़गे ने कहा, 'BJP धर्म विरोधी हैं, क्योंकि जब मैंने 8 अगस्त को उत्तराखंड में हल्द्वानी के रामलीला मैदान पर सभा की थी तो 2 दिन बाद मंच का शुद्धिकरण किया गया। ऐसा लगा जैसे मुझे अछूत माना गया हो। क्या लोकतंत्र ऐसे चलता है। देश में दलितों के लिए क्या कोई जगह नहीं है।'

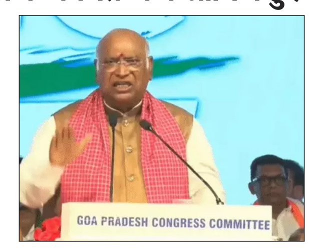

- हमें देशभक्ति न सिखाएं उत्तराखंड में शुद्धिकरण को लेकर बीजेपी को धर्म विरोधी बताया

दरअसल, शाह ने 16 अगस्त को आरोप लगाया था- 'कांग्रेस पार्टी मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। बीच में ही सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को गान को रोकने को कहा था।'

>> (शेष पेज 06 पर)

पीएम केयर्स फंड में घरेलू डोनेशन 30% घटा, ₹479 करोड़ रहा

पिछले साल विदेशी दान में भी कमी आई, फंड में अभी 8,452 करोड़

कमी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । 2025 में पीएम केयर्स फंड में घरेलू दान 30% घटकर करीब 479 करोड़ रुपए रहा। विदेशी दान में भी कमी आई। यह 18% घटकर 92.8 लाख रुपए रह गया है। 2023 में घरेलू दान 681 करोड़ और विदेशी दान 1.13 करोड़ रुपए था। ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में फंड में टोटल रकम 7,173 करोड़ रुपए थी। 2025 में यह 8,452 करोड़ रुपए हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2020 में कोविड महामारी फैलने के बाद पीएम केयर्स फंड बनाया था। प्रधानमंत्री ही इस फंड के अध्यक्ष होते हैं। इस फंड में पूरी राशि दान के रूप में आती है और इसे सरकार के बजट से कोई पैसा नहीं मिलता।

पीएम केयर्स में फॉरेन फंडिंग घटी

इस फंड में फॉरेन फंडिंग 2020-21 में 495 करोड़ रुपए थी, जो अगले दो वित्त वर्षों में घटकर 40 करोड़ रुपए और 2.57 करोड़ रुपए रह गई। 2023-24 में विदेशी दान से 1.13 करोड़ रुपए मिले थे। 2024-25 में विदेशी योगदान 92.8 लाख रुपए रहा।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

दिल्ली पुलिस बोली- सीजेपी का संसद मार्च गैरकानूनी था

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 20 जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। इसकी परमिशन नहीं थी। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आ गए थे।

सुनवाई स्थगित

श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह विवाद: विफल रही बात

मथुरा । श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही मस्जिद ईदगाह विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चल रही सुलह-समझौते की कोशिशें एक बार फिर नाकाम साबित हुई हैं। मथुरा के सुलह समझौता केंद्र में मंगलवार को होने वाली दूसरी वार्ता मुस्लिम पक्ष की अनुपस्थिति के कारण विफल हो गई। मुस्लिम पक्ष के न आने पर कोर्ट ने पत्रावली पर सुनवाई स्थगित कर दी है। अब इस अहम विवाद की सुनवाई सीधे सुप्रीम कोर्ट में 21, 22 और 23 अगस्त को की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट में फांसी सिस्टम खत्म करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौत की सजा देने के लिए फांसी की मौजूदा व्यवस्था खत्म करने की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई आधार नहीं है, जिसके कारण फांसी को असंवैधानिक घोषित किया जाए।

आप नेता सत्येंद्र जैन सहित छह गिरफ्तार

कथित दिल्ली जल बोर्ड घोटाले में एसीबी की कार्रवाई

हेरफेर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के टेंडर में कथित अनियमितताओं, तकनीकी शर्तों में हेरफेर और रिश्वत के मामले में दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने मंगलवार को पूर्व जल मंत्री सत्येंद्र जैन समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सीईओ एवं आईएएस अधिकारी उदित प्रकाश राय, पूर्व संविदा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव, एएन एंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर नागेंद्र यादव, यूरोटेक एनवायरनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मालिक राजा कुमार कुर्रा और सृजनहार के प्रोपराइटर पंकज वर्मा शामिल हैं।

- डीजेबी एसटीपी टेंडर में कथित अनियमितताओं का मामला।
- एसीबी ने रिश्वतखोरी और हेरफेर का खुलासा किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

मैप पोस्ट किया, ईरान का जवाब- ट्रम्प की गलतफहमी जल्द दूर हो जाएगी

ट्रम्प ने होर्मुज को अमेरिका का नया इलाका बताया

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बताते हुए सोशल मीडिया पर मैप पोस्ट किया है। ट्रम्प के पोस्ट के बाद ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बताना सिर्फ एक गलत-फहमी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रम्प को जल्द ही समझ आ जाएगा कि इस समुद्री रास्ते पर अमेरिका का कोई अधिकार नहीं है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक ग्राफिक पोस्ट किया, जिसके ऊपर 'नया अमेरिकी क्षेत्र' लिखा था। इस मैप में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास का समुद्री इलाका दिखाया गया था। इसमें ईरान, ओमान और यूएई के हिस्से भी नजर आ रहे थे।

ट्रम्प के कहने होर्मुज अमेरिका का हिस्सा हो जाएगा?

सीधा जवाब है- नहीं। होर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के बीच स्थित एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है। इस रास्ते से दुनिया के कई देशों के तेल और गैस से भरे जहाज गुजरते हैं। इसलिए इस पर सिर्फ किसी एक देश का अधिकार नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सभी देशों के जहाजों को इस रास्ते से आने-जाने का अधिकार है। इसी वजह से कोई भी देश सिर्फ अपने दम पर इस समुद्री मार्ग पर कब्जे का दावा नहीं कर सकता। इसलिए ट्रम्प का मैप एक राजनीतिक दावा या मैसेज माना जा सकता है, लेकिन इससे अमेरिका को होर्मुज स्ट्रेट पर अपने आप कोई नया कानूनी अधिकार नहीं मिल जाता।

होर्मुज स्ट्रेट पर किसका अधिकार

होर्मुज स्ट्रेट का उत्तरी हिस्सा ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी हिस्सा ओमान के मुसंदम क्षेत्र से लगता है। फारस की खाड़ी से निकलने वाले जहाज इसी रास्ते से अरब सागर और फिर हिंद महासागर की ओर जाते हैं। इसी वजह से होर्मुज स्ट्रेट सिर्फ एक देश का नहीं, बल्कि कई देशों के लिए अहम समुद्री मार्ग है। अमेरिका यहां अपने युद्धपोत और नौसैनिक बल तैनात रखता है ताकि समुद्री व्यापार और अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके।

कटाक्ष : 2027 में सपा की सरकार बनाना लक्ष्य : अखिलेश यादव, किसानों की समस्याओं को लेकर हमला

'भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, खराब कानून व्यवस्था, शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और किसानों की समस्याओं को लेकर तीखा हमला बोला। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की मौजूदा समस्याओं की जड़ भाजपा सरकार है। वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर जनता को भाजपा के कुशासन से मुक्ति दिलाई जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को आपसी एकजुटता के साथ पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा। >> (शेष पेज 06 पर)

> अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार के गड्ढामुक्त सड़क अभियान को भी निशाने पर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने सड़कों को गड्ढामुक्त करने के नाम पर हजारों करोड़ रुपये का बजट खर्च किया, लेकिन इसके बावजूद प्रदेश की सड़कों की स्थिति खराब बनी हुई है।

'जनता के पैसे की हो रही बर्बादी'

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में विभिन्न विभागों और विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का बोलबाला है। उन्होंने कहा कि कहीं सड़कें टूट रही हैं तो कहीं पानी की टंकियां गिर रही हैं। जल जीवन मिशन को लेकर भी उन्होंने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि योजना का लाभ जनता तक पहुंचाने के बजाय इसमें भ्रष्टाचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं के लिए जारी बजट का सही इस्तेमाल नहीं हो रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

कॉकरोच पार्टी वर्कर के पिता की मौत का मामला, आठ गिरफ्तार

कॉकरोच पार्टी वर्कर के पिता की मौत का मामला

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

बांकुड़ा । कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) नेता आशुतोष रांका ने दावा किया कि पार्टी कार्यकर्ता शेख अब्दुल हफीज के पिता की मौत BJP कार्यकर्ताओं की पिटाई के बाद हुई। CJP टीम ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में उनके परिवार से मुलाकात की।

हफीज के पिता मफीक पर 13 अगस्त को हमला हुआ था। दो दिन बाद उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 3 नामजद और 5 संदिग्ध हैं। परिवार का आरोप है कि मफीक CJP के 'स्कूल ठीक करो' अभियान में शामिल थे। उन्होंने स्कूल की बदहाली का वीडियो बनाया था। उसी शाम हथियारबंद लोगों ने घर में घुसकर उनकी पिटाई की। रांका ने आरोप लगाया कि हफीज के परिवार को धमकी मिलने के बावजूद बंगाल पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

- आशुतोष रांका का दावा- स्कूल का वीडियो बनाने पर बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पीटा था

>> (शेष पेज 06 पर)

कई मकानों में 6 फीट तक पानी, लोग बोले- क्या खाएं, कहां जाएं

बारिश से 5 हजार घरों में भरा पानी

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में सोमवार को 90 मिमी बारिश हुई। रविवार रात 1 बजे से शुरू हुई बारिश सोमवार दोपहर तक जारी रही। इससे 5 हजार से ज्यादा घरों में 4 फीट तक पानी भर गया। निचले हिस्सों में रहने वाले लोगों को ऊपरी मंजिलों या छतों पर जाना पड़ा। घरों में रखे फ्रिज, सोफा, बेड और दूसरे सामान पानी में डूब गए।

शहर के करेली इलाके में खड़ी कारें और बाइकें पानी में डूब गईं। अकेले करेली में करीब 200 कारें पानी में डूब गईं, जिन्हें शाम तक ठेलकर या टू-चेन की मदद से गैराज पहुंचाया गया। इसके अलावा एक हजार से ज्यादा बाइक और स्कूटी भी पानी में डूब गईं, जिससे वे चलने लायक नहीं बचीं।

मुंडेरा की उषा देवी ने बताया कि घर में पानी ही पानी नजर आ रहा है। घर में छोटे-छोटे बच्चे हैं। पानी भरने से खाना-पीना तक मुश्किल हो गया है। क्या खाएं, कहां जाएं, कुछ समझ नहीं आ रहा।

मुंडेरा में बच्चों ने हाथों में मोदी-योगी की तस्वीरें लेकर जलभराव की समस्या दूर कराने की मांग की। एक बच्चे ने कहा कि हम स्कूल नहीं जा पाए। वॉशरूम पानी में डूबे हैं और सीवर ओवरफ्लो कर रहा है।

करेली के खुर्शीद ने कहा- इलाके में करीब छह फीट तक पानी भर गया, जो लोगों के घरों में घुस गया। इससे फ्रिज, टीवी और घर का अन्य सामान खराब हो गए।

सोलह मार्केट से नैनी तक पानी भरा

करेली के सोलह मार्केट, बी ब्लॉक, गौस नगर, शम्स नगर, जेके नगर, गड्ढा कॉलोनी, इस्लाम नगर, नैनी के चकदौदी, चक फैजुल्ला, पंजाबी हाता, जमुनानगर, टैगोर टाउन और सिविल लाइंस समेत कई इलाकों में भी हालात खराब है।

बारिश के साथ बड़े नालों का गंदा पानी भी घरों तक पहुंच गया है। लोगों को जलभराव के बीच परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह हालात तब हैं, जब महाकुंभ के दौरान प्रयागराज को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए करीब 7,500 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं।

बच्चा कुमार बोले- डीएम, मेयर को 6 महीने से लेटर लिखा जा रहा, कुछ नहीं हुआ

मुडेरा के बच्चा कुमार ने कहा कि वार्ड नंबर 18 में करीब 1000 लोगों की बस्ती है, जो बारिश होते ही पानी में डूब जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीवर लाइन को ड्रेनेज से जोड़ने के बजाय 10 इंच की पाइप डालकर खानापूर्ति कर दी गई। इससे बारिश का पानी और सीवर का पानी लोगों के घरों और किचन तक पहुंच रहा है। पिछले छह महीने से नगर आयुक्त, जिलाधिकारी, मेयर गणेश केसरवानी, क्षेत्रीय विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह और पार्षद को लेटर लिख रहें, मिलकर लोग समस्याएं बता रहें, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।

राहुल यादव बोले- इलाके की ड्रेनेज लाइन को आगे मेन सीवर से जोड़ा ही नहीं

मुडेरा के राहुल यादव ने कहा कि इलाके से गई ड्रेनेज लाइन को आगे मेन सीवर लाइन से जोड़ा ही नहीं गया। अगर समय रहते कनेक्शन कर दिया गया होता तो आज इतना गंभीर जलभराव नहीं होता। उन्होंने नगर निगम कर्मचारियों और सीवर काम करने वाले ठेकेदारों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

मंत्री ने अधिकारियों के साथ राहत शिविर का निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

खुली राहत वितरण की पोल पुल निर्माण की मांग ने भी पकड़ा जोर

सूरतगंज (बाराबंकी)। घाघरा नदी के उफान से बाढ़ की मार झेल रहे हेतमापुर क्षेत्र में मंगलवार को कारागार राज्यमंत्री एवं बाराबंकी के प्रभारी मंत्री सुरेश राही के निरीक्षण के दौरान राहत व्यवस्था से जुड़ी कथित अनियमितता सामने आने से प्रशासनिक अमले में खलबली मच गई। मंत्री ने हेतमापुर बाढ़ चौकी, तटबंध और राहत शिविर का निरीक्षण कर बाढ़ प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद किया। इसी दौरान पशुओं के लिए वितरित किए जा रहे भूसे की मात्रा में अंतर की शिकायत सामने आई। मामले पर नाराजगी जताते हुए मंत्री ने जिलाधिकारी समेत संबंधित अधिकारियों को जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने निरीक्षण के दौरान प्रशासन को बाढ़ प्रभावित लोगों की हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने और राहत-बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति में प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री समय से पहुंचे और किसी भी पात्र व्यक्ति को परेशानी का सामना न करना पड़े।

मंगलवार दोपहर करीब दो बजे प्रभारी मंत्री सुरेश राही हेतमापुर बंधे पर आयोजित राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम में पहुंचे। वह अधिकारियों के साथ राहत शिविर का निरीक्षण कर रहे थे और प्रभावित परिवारों से उनकी समस्याएं पूछ रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर एक किसान के हाथ में मौजूद भूसे की बोरी पर पड़ी।

फास्ट न्यूज

प्रमोद तिवारी बोले- सभी चंदा चोर बीजेपी से

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ में राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राम मंदिर से जुड़े चंदे, जमीन के लेनदेन और भाजपा की नई कमेटी को लेकर सवाल उठाए। तिवारी ने भाजपा पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए आगामी चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन को लेकर भी दावा किया।

गोरखपुर में पकड़ी गईं 3 चोरनी

गोरखपुर। गोरखपुर कैंट थाने की पुलिस ने 3 चोरनी को गिरफ्तार किया है। तीनों महिला चोरनी ऑटो में एक महिला के गले से चेन चोरी कर ली थीं। पुलिस के मुताबिक, तीनों की पहचान बड़हलगंज थाना क्षेत्र के लखनापार निवासी सोनी देवी, गुड्डी देवी और रेशमी के रूप में हुई। तीनों शादीशुदा हैं, इनके बारे में पुलिस और जानकारी जुटा रही है। गुड्डी पर आजमगढ़ के फुलपुर थाने में भी 2 एफआईआर पहले से दर्ज है। कैंट थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे दाउदपुर की 45 साल की महिला इलाज कराने के बाद ऑटो से जा रही थी।

प्रतापगढ़ के दफरा में दो किशोर नाले में डूबे, मौत

आसपुर देवसरा, प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ के आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के दफरा गांव में मंगलवार दोपहर तंबूरा नाले में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों आपने छह दोस्तों के साथ नहाने गए थे। नहाते समय गहरे गड्ढे में डूब गए, जबकि चार सुरक्षित अपने घर लौटे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जलभराव पर हाईकोर्ट ने अफसरों को तलब किया

जजो को कोर्ट पहुंचने में परेशानी हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में लगातार बारिश के बाद शहर के विभिन्न इलाकों में हुए जलभराव का मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मंगलवार को स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) लेते हुए जनहित याचिका दर्ज की और प्रशासन से जवाब तलब किया है।

न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने जिलाधिकारी मनीष वर्मा और नगर आयुक्त प्रयागराज सीलम साईं तेजा को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया है कि निचले इलाकों में जलभराव रोकने के लिए पहले से प्रभावी इंतजाम क्यों नहीं किए गए। मंगलवार को हुई भारी बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया। इसका असर न्यायिक कार्यवाही पर भी पड़ा। यानी किसी पक्ष के वकील की अनुपस्थिति के कारण उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं किया गया। खंडपीठ ने सचिव, नगर विकास एवं नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया है कि वे दो दिन के भीतर व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर बताएं कि शहर में जलभराव रोकने के लिए कौन-कौन सी योजनाएं स्वीकृत की गई हैं और उन पर क्या प्रगति हुई है।

किसान परिवारों का सहारा बनी 'मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना'

बजट बढ़ाकर योगी सरकार ने आश्रितों को दी मजबूती

दुर्घटना के कारण मृत्यु या दिव्यांगता की स्थिति में पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान

तमसा संकेत, संवाददाता

1050 से बढ़कर 1150 करोड़ हुआ बजट, हजारों आश्रित परिवारों तक पहुंची किसान परिवारों के कल्याण से जुड़ी योजना

जनपदों की मांग के अनुसार धनराशि का आवंटन, पिछले वित्तीय वर्ष से अब तक लगभग 38 हजार आश्रित परिवार लाभान्वित हुए

लखनऊ। किसान और खेती प्रदेश की अर्थव्यवस्था की आधारशिला हैं। ऐसे में खेती-किसानी से जुड़े परिवारों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा देना योगी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना इसी संवेदनशील सोच का प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आई है। दुर्घटना की स्थिति में किसान और उसके परिवार को आर्थिक संकट से बचाने के लिए शुरू की गई इस योजना को सरकार ने लगातार मजबूत बजटीय आधार दिया है। करोड़ों रुपये के प्रावधान के साथ बड़ी संख्या में आश्रित परिवारों को इसका लाभ मिलना योजना के व्यापक प्रभाव को दर्शा रहा है। इसके तहत पिछले वित्तीय वर्ष से अब तक 38 हजार से अधिक आश्रितों को लाभान्वित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना 14 सितंबर 2019 से लागू है। योजना के तहत दुर्घटना के कारण मृत्यु या दिव्यांगता की स्थिति में अधिकतम पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने का प्रावधान है। योजना का दायरा भी व्यापक रखा गया है, ताकि कृषि कार्य से जुड़े पात्र परिवारों को कठिन समय में सरकारी सहायता मिल सके। खतौनी में दर्ज खातेदार और सहखातेदार के साथ ऐसे कमाऊ पारिवारिक सदस्य भी इसके दायरे में आते हैं, जिनकी आजीविका का मुख्य स्रोत खातेदार या सहखातेदार के नाम दर्ज भूमि से होने वाली कृषि आय है। पट्टे या बटाई की भूमि पर खेती करने वाले पात्र भूमिहीन कृषक भी योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में सरकार ने योजना के लिए बजट को और बढ़ाते हुए 1150 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

पिछले वित्तीय वर्ष में 21 हजार से ज्यादा परिवारों को मिला लाभ

इसके बजट में लगातार बढ़ोतरी सरकार की प्राथमिकता को भी दर्शा रही है। राजस्व विभाग के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लिए 1050 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। जनपदों की मांग के अनुसार पूरी धनराशि का आवंटन किया गया और इससे करीब 21,659 आश्रित परिवार लाभान्वित हुए। यह योजना जरूरत के समय किसान परिवारों तक आर्थिक सहायता पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन रही है।

इकलौता बेटा था, वीडियो बनाने की कोशिश में गहरे पानी में उतरे थे

नर्मदा में डूबे लखनऊ के 4 श्रद्धालु, एक की मौत

> वहीं, पानी में डूब चुके शुभ तिवारी को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर घाट पर ही सीपीआर दिया गया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तमसा संकेत, एजेंसी

ओंकारेश्वर। तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में मंगलवार को नर्मदा नदी के केवलराम घाट पर स्नान के दौरान लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से आए चार श्रद्धालु गहरे पानी में चले गए। मौके पर तैनात नाविकों, होमगार्ड और SDERF के जवानों ने तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि एक युवक को बचाया नहीं जा सका।

जानकारी के अनुसार, लखनऊ निवासी संतोष (24), अनिकेत (23), कमल किशोर (23) और शुभ उर्फ प्रखर तिवारी (24) नर्मदा नदी में स्नान कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि चारों युवक फोटो और वीडियो बनाने के फेर में निर्धारित सुरक्षित सीमा को पार कर गहरे पानी में चले गए। सुरक्षा बलों द्वारा लगातार दी जा रही चेतावनियों के बावजूद वे आगे बढ़ते गए।

शुभ तिवारी अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था और उसी पर पूरे घर के खर्च की जिम्मेदारी थी। शुभ के पिता हाल ही में कैंसर के ऑपरेशन से गुजरे हैं और घर में एक बहन भी है। इस दुखद हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।घटना के बाद होमगार्ड एवं SDERF जिला कमांडेंट आशीष कुशवाहा ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे नर्मदा में स्नान के दौरान केवल चिह्नित सुरक्षित स्थलों का ही उपयोग करें और घाटों पर तैनात जवानों व प्रशासन के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

सीपीआर भी नहीं आया काम

घटना होते ही नाविक मुकेश वर्मा, शंकर वर्मा, होमगार्ड-SDERF जवान नागेंद्र शर्मा और उदय सोलंकी तुरंत नदी में उतरे। उन्होंने संतोष, अनिकेत और कमल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

प्रभारी मंत्री ने 500 बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत किट

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के रामनगर तहसील क्षेत्र स्थित हेतमापुर में घाघरा (सरयू) नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद प्रशासन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों पर सक्रिय हो गया है। मंगलवार को प्रदेश के कारागार राज्य मंत्री और जनपद प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने हेतमापुर बाढ़ चौकी और तटबंध का दौरा किया। उन्होंने जमीनी हकीकत का जायजा लिया और बाढ़ से प्रभावित ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान, प्रभारी मंत्री सुरेश राही ने हेतमापुर स्थित स्थायी बाढ़ शरणालय में 50 पीड़ितों को अपने हाथों से राहत सामग्री वितरित की। कुल 500 बाढ़ प्रभावित परिवारों को 26 प्रकार की दैनिक उपयोगी वस्तुओं वाली राहत किट दी गई। इनमें राजस्व ग्राम बतनेरा के तहत कोड़री में 113, सुंदरनगर में 90, ललपुरवा में 138 और बाबा पुरवा में 109 परिवार शामिल थे।

कैबिनेट मंत्री और विधायक को बाल योगी ने अपशब्द कहे

एमएलए बाबूलाल बोले- एफआईआर कराऊंगा

तमसा संकेत, एजेंसी

कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और फतेहपुर सीकरी के भाजपा विधायक चौधरी बाबूलाल के खिलाफ अपशब्द कहे।

आगरा। आगरा में समाजसेवी के रूप में सक्रिय बाल योगी ने भाजपा के दो विधायकों के खिलाफ चौपाल में अपशब्द कहे। इनमें एक यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और आगरा दक्षिण से विधायक योगेंद्र उपाध्याय हैं और दूसरे फतेहपुर सीकरी से विधायक चौधरी बाबूलाल हैं।

सोशल मीडिया पर दोनों विधायकों पर की गई टिप्पणी के दो अलग-अलग वीडियो वायरल हो रहे हैं। ये वीडियो आगरा के मलपुरा क्षेत्र में एक चौपाल के बताए जा रहे हैं। बाल योगी सोमवार को यहां लोगों की समस्याएं जानने पहुंचे थे।

आगरा की जनसमस्याओं पर मुखर रहने वाले बाल योगी के दो विवादित वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। ये वीडियो आगरा के मलपुरा क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। बाल योगी सोमवार को यहां पहुंचे थे। चौपाल पर लोगों के बीच बैठकर उन्होंने

जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसमें दो बुजुर्ग बाल योगी के बगल में कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं। वहीं, कुछ युवा सामने जमीन पर फर्श पर बैठे हैं। बाल योगी के पीछे काले रंग के सफारी सूट में दो बॉडीगार्ड भी नजर आ रहे हैं। फतेहपुर सीकरी का कोई बाबूलाल है। वह कहता है कि मैंने 70 हजार लड़कियों को शिक्षा दी। उसके बेटे को विधायक बनना है।

हड़कंप : एक हफ्ते में होगी जांच पूरी, सुरक्षा चूक के जिम्मेदारों पर तय होगी कार्रवाई

वाराणसी-एयरपोर्ट पर फायरिंग मामले में गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

एयरपोर्ट (बाबतपुर) के डायरेक्टर पुनीत गुप्ता ने बताया पिस्टल लेकर सफर करने की सूचना पहले ही दे दी गई थी। स्वतंत्रता दिवस के चलते एयरपोर्ट को 11 से 20 अगस्त तक हाईअलर्ट जोन घोषित किया गया था।

वाराणसी। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 16 अगस्त की सुबह पिस्टल चेक करते समय गोली चलने से दो कर्मचारी घायल हो गए थे। इस घटना को सुरक्षा में बड़ी चूक माना जा रहा है। अब गृह मंत्रालय ने मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। मामले की जांच केंद्रीय एजेंसियां भी कर रही हैं। बताया जा रहा है कि एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसमें सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक के लिए जिम्मेदार लोगों को चिन्हित किया जाएगा। इसके बाद संबंधित लोगों पर कार्रवाई तय हो सकती है।

16 अगस्त की सुबह आजमगढ़ निवासी शिवसेना नेता कमलेश राय एयरपोर्ट पहुंचे थे। सुरक्षा जांच के दौरान पिस्टल चेक करते समय अचानक गोली चल गई। गोली लगने से एयरपोर्ट के दो कर्मचारी घायल हो गए। घटना के बाद एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने कमलेश राय को हिरासत में लिया और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। अब गृह मंत्रालय के दखल के बाद पूरे मामले की जांच और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। एयरपोर्ट अधिकारियों का कहना है कि कई बार निजी सुरक्षा कर्मी नेताओं के दबाव में आकर नियमों के मुताबिक सख्ती नहीं कर पाते। इसी वजह से इस घटना में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

सभी से अलग-अलग पूछताछ, सीसीटीवी भी खंगाला

एयरपोर्ट निदेशक पुनीत गुप्ता ने बताया कि घटना के अगले दिन जांच एजेंसियां एयरपोर्ट पर मौजूद रहीं। एयरलाइंस के अधिकारियों, एयरपोर्ट अथॉरिटी के कर्मचारियों, घटना से जुड़े लोगों और सुरक्षा कर्मियों से अलग-अलग पूछताछ की गई। साथ ही CCTV फुटेज भी खंगाली गई। जांच में सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर यात्री के पास लाइसेंसी पिस्टल थी, तो शुरुआती सुरक्षा जांच के बाद हथियार एयरपोर्ट के अंदर तक कैसे पहुंच गया।

एयरपोर्ट की सुरक्षा एजेंसियों ने शिवसेना नेता को पुलिस को सौंप दिया गया।

पिस्टल चेक करने में सुरक्षा नियमों की अनदेखी

एयरपोर्ट निदेशक के मुताबिक, पिस्टल हैंडल करने के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया। CCTV में दिखाई दे रहा है कि नियमों के मुताबिक सुरक्षाकर्मी को पिस्टल की जांच करनी थी, लेकिन शिवसेना नेता खुद ही पिस्टल निकालकर उसे चेक कर रहे थे।

एमएसएमई के लिए सरकारी खरीद का बाजार बढ़ाने का अवसर

लखनऊ में 20-21 अगस्त को वेण्डर विकास कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सरकारी विभागों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के लिए विक्रेता/आपूर्तिकर्ता के रूप में विकसित करने तथा उनके उत्पादों एवं प्रौद्योगिकी को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एमएसएमई-विकास कार्यालय, कानपुर द्वारा 20 एवं 21 अगस्त, 2026 को पीएचडी हाउस, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ में वेण्डर विकास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों हेतु सार्वजनिक खरीद नीति आदेश-2012 के तहत केन्द्र सरकार के मंत्रालयों, विभागों एवं केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों से 25 प्रतिशत खरीद अनिवार्य की गई है। इससे एमएसएमई इकाइयों के लिए सरकारी एजेंसियों के विक्रेता के रूप में पंजीकृत होकर अपने उत्पादों का बाजार विस्तार करने का महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध हुआ है।

कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को केन्द्र सरकार के मंत्रालयों, विभागों एवं केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के लिए संभावित विक्रेता एवं आपूर्तिकर्ता के रूप में विकसित करना है। इसके साथ ही एमएसई क्षेत्र के उत्पादों, सेवाओं एवं प्रौद्योगिकी को प्रदर्शित करने के लिए लगभग 20 स्टालों की औद्योगिक प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम में NTPC, GAIL, HAL, RDSO, BHEL, ALIMCO, RBI, NABARD, BIS, IIP, EXIM Bank, राष्ट्रीयकृत बैंक तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के प्रौद्योगिकी विकास केन्द्र सहित विभिन्न सरकारी विभागों एवं बड़ी औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि प्रतिभाग करेंगे।

प्रतिभागी संस्थाएं अपनी खरीद आवश्यकताओं के साथ-साथ क्रय नीति, विक्रेता पंजीकरण प्रक्रिया एवं एमएसएमई इकाइयों के लिए उपलब्ध अवसरों के संबंध में जानकारी देंगी तथा उद्यमियों के साथ संवाद करेंगी।

पीआरडी जवानों के मानदेय में बड़ा इजाफा

योजना

अब 600 रुपये प्रतिदिन मिलेंगे मुख्यमंत्री की बड़ी घोषणा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। पीआरडी स्वयंसेवकों के लिए मंगलवार का दिन अहम रहा। मुख्यमंत्री ने उनके दैनिक मानदेय में बढ़ोतरी के साथ स्वास्थ्य सुविधा और आवासीय व्यवस्था को लेकर कई घोषणाएं कीं। गोरखपुर के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह, रामगढ़ ताल में आयोजित पीआरडी स्वयंसेवक सम्मेलन एवं संवाद कार्यक्रम का अंबेडकरनगर में भी लाइव प्रसारण किया गया।

पीआरडी जवानों के लिए लखनऊ के ग्राम परवर पश्चिम, सरोजनीनगर में 23 करोड़ रुपये की लागत से बहुमंजिला पीआरडी बैरक का शिलान्यास भी किया गया। इसके साथ ही पीआरडी स्वयंसेवकों की संख्या बढ़ाने की मंशा भी मुख्यमंत्री ने व्यक्त की।

अंबेडकरनगर के विकास भवन सभागार में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। जिले के विभिन्न विकासखंडों से करीब 200 पीआरडी जवान इसमें शामिल हुए। कार्यक्रम में कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद और जिला पंचायत प्रशासक श्याम सुंदर वर्मा मौजूद रहे। विधायक ने पीआरडी जवानों की कार्य तत्परता की सराहना की। मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित अतिथियों और जवानों का आभार जताया।

कानून व्यवस्था से लेकर बाढ़ और त्योहारों तक ड्यूटी

मुख्यमंत्री ने पीआरडी स्वयंसेवकों की भूमिका का उल्लेख करते हुए उनके कार्यों की सराहना की। पुलिस बल के सहयोग से कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रमों, आपदा और बाढ़ की स्थिति, त्योहारों तथा विभिन्न कार्यालयों में ड्यूटी के दौरान उनके योगदान को रेखांकित किया गया। स्वयंसेवकों को अनुशासन और आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया।

जवानों के साथ परिजनों को भी कैशलेस इलाज

पीआरडी स्वयंसेवकों और उनके परिजनों को कैशलेस चिकित्सा योजना से जोड़ा गया है। इसके तहत एक वर्ष में पांच लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुविधा का लाभ लिया जा सकेगा। उपचार सरकारी अस्पतालों के अलावा कैशलेस स्वास्थ्य योजना से जुड़े अस्पतालों में कराया जा सकेगा।

> **मुख्यमंत्री ने पीआरडी स्वयंसेवकों का दैनिक मानदेय 500 रुपये से बढ़कर 600 रुपये करने की घोषणा की। नई दर के लागू होने से जवानों को पहले की तुलना में प्रतिदिन 100 रुपये अधिक मानदेय मिलेगा।**

शिकायतों के निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

जनसुनवाई

एसपी के दरबार में पहुंचीं फरियादें

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने मंगलवार को कार्यालय में जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनीं। अलग-अलग मामलों को लेकर पहुंचे फरियादियों ने अपनी शिकायतें सीधे एसपी के सामने रखीं। पुलिस अधीक्षक ने शिकायतों को गंभीरता से सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान सामने आई शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को भेजा गया। एसपी ने मामलों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिकायतों के निस्तारण में आवश्यक कार्रवाई के साथ मामले की वास्तविक स्थिति के आधार पर जांच करने को कहा।

पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनशिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी न हो। प्रत्येक मामले में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि फरियादियों को समय पर राहत मिल सके। जनसुनवाई के दौरान आमजन को अपनी समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखने का अवसर मिला। एसपी ने शिकायत-कर्ताओं की बात सुनने के बाद संबंधित पुलिस अधिकारियों को मामलों के निस्तारण के लिए निर्देशित किया।

फास्ट न्यूज

एसपी के दरबार में पहुंचीं फरियादें

अंबेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने मंगलवार को कार्यालय में जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनीं। अलग-अलग मामलों को लेकर पहुंचे फरियादियों ने अपनी शिकायतें सीधे एसपी के सामने रखीं। पुलिस अधीक्षक ने शिकायतों को गंभीरता से सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान सामने आई शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को भेजा गया।

10 दिन से खराब पड़ा ट्रांसफार्मर

अंबेडकरनगर। विद्युत वितरण खंड अकबरपुर के अशरफपुर बरवां उपकेंद्र क्षेत्र के जैनपुर गांव में 10 केवी का ट्रांसफार्मर पिछले करीब 10 दिनों से खराब पड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी देने के बावजूद अब तक ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया है। ग्रामीणों का कहना है कि ट्रांसफार्मर खराब होने के बाद से बिजली आपूर्ति प्रभावित है। कई बार विभागीय अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

सरकार की ओर से खराब ट्रांसफार्मर को निर्धारित समय में बदलने की व्यवस्था का दावा किया जाता है।

मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना में ई-लॉटरी से चुने जाएंगे छह लाभार्थी

अंबेडकरनगर। नंद बाबा दुग्ध मिशन के तहत संचालित मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना 2026-27 में लाभार्थियों के चयन के लिए 19 अगस्त को ई-लॉटरी कराई जाएगी। ई-लॉटरी विकास भवन सभागार में सुबह 11 बजे मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में होगी।

जमीन विवाद में घर में घुसकर तोड़फोड़ का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

आलापुर (अंबेडकरनगर)। थाना आलापुर क्षेत्र के मोलनापुर गांव में जमीन विवाद को लेकर एक मकान में तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित आदर्श पुत्र शेषनाथ ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

आदर्श के मुताबिक, उन्होंने करीब आठ माह पहले जमीन खरीदकर मकान का निर्माण कराया था। निर्माण के दौरान पड़ोसी पक्ष की ओर से कोई आपत्ति नहीं की गई। अब पुष्पा देवी की ओर से मकान में अपनी जमीन का हिस्सा होने का दावा किए जाने की बात सामने आई है। पीड़ित का कहना है कि विवाद की स्थिति स्पष्ट करने के लिए उन्होंने जमीन की पैमाइश कराने की बात कही थी। आरोप है कि इस पर सहमति नहीं बनी और कई लोग मकान पर पहुंच गए। आदर्श ने आरोप लगाया कि दूसरे पक्ष के लोग मकान की छत पर चढ़ गए और तोड़फोड़ करने लगे। इसके बाद घर के अंदर घुसकर सामान इधर-उधर फेंकने और नुकसान पहुंचाने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित परिवार ने घटना की सूचना डायल-112 पुलिस को दी। आदर्श के अनुसार, पुलिस के पहुंचने के बाद भी मौके पर विवाद पूरी तरह शांत नहीं हुआ।

> **मकान की छत पर चढ़कर नुकसान पहुंचाने और घर में सामान फेंकने का आरोप, पीड़ित ने पैमाइश कराने की मांग की**

फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में जांच के बाद भी कार्रवाई नहीं

शिकायत पर प्रमाणपत्र निरस्त और सचिव से स्पष्टीकरण तलब

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विकासखंड रामनगर में फर्जी जन्म प्रमाणपत्र जारी किए जाने की शिकायत और उसकी जांच के बाद भी कार्रवाई न होने का मामला सामने आया है। शिकायत से जुड़े दस्तावेजों के अनुसार, जांच में प्रमाणपत्र के फर्जी तरीके से जारी होने की पुष्टि होने के बाद उसे निरस्त किया गया था। संबंधित ग्राम पंचायत सचिव से स्पष्टीकरण भी मांगा गया। इसके बावजूद आगे की कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शिकायत के बाद मामले की जांच कराई गई। उपलब्ध शिकायत संबंधी विवरण के मुताबिक, जांच में जन्म प्रमाणपत्र के फर्जी होने की पुष्टि हुई और प्रमाणपत्र निरस्त कर दिया गया। इसके बाद जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय की ओर से पत्रांक 607, दिनांक 29 अप्रैल 2026 के माध्यम से ग्राम पंचायत सचिव से स्पष्टीकरण मांगा गया।

इसके बावजूद सचिव के खिलाफ आगे क्या कार्रवाई हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

कार्रवाई न होने की शिकायत दोबारा किए जाने पर शिकायतकर्ता को बताया गया कि प्रकरण उपजि-लाधिकारी स्तर से निस्तारित किया जा सकता है। इसी बिंदु को लेकर शिकायतकर्ता ने जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

सचिव पर फर्जी प्रमाणपत्र जारी करने का आरोप

मामला ग्राम पंचायत बहलोलपुर नीवा से जुड़ा है। आरोप है कि तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव विश्वनाथ पटेल ने रजनी पुत्री विक्रम के नाम से जन्म प्रमाणपत्र संख्या B202509309040000255 जारी किया। प्रमाणपत्र पर जारी तिथि 30 दिसंबर 2025 दर्ज है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, इसी प्रमाणपत्र के आधार पर 10 फरवरी 2026 को शादी होने और सम्मनपुर थाने में 19 फरवरी 2026 को एफआईआर संख्या 0026 दर्ज होने का मामला सामने आया।

90 वर्षीय मां की हत्या पर बसपा प्रतिनिधिमंडल ने जताया शोक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मालीपुर थाना क्षेत्र के धमरूवा रुडहा गांव में पुलिस अधीक्षक मुख्यालय लखनऊ में तैनात आशुतोष मिश्रा की 90 वर्षीय मां की हत्या के मामले में बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधिमं-डल ने उनके घर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की।

अयोध्या मंडल के मुख्य जोन प्रभारी दिलीप कुमार विमल के नेतृत्व में बसपा नेताओं ने परिवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने घटना के संबंध में जानकारी जुटाई और मामले में प्रभावी कार्रवाई की मांग की। बसपा मंडल प्रभारी दिलीप कुमार विमल ने कहा कि घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषी लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाना चाहिए। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले में जल्द कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। कहा कि यदि पुलिस अधिकारी का परिवार सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता होती है। उन्होंने प्रदेश में चोरी, डकैती और हत्या जैसी घटनाओं का हवाला देते हुए अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की जरूरत बताई।

प्रतिनिधिमंडल में अयोध्या मंडल प्रभारी अरविंद गौतम, पूर्व ब्लाक प्रमुख राम नयन निर्दोष, बसपा जिलाध्यक्ष सुनील सावंत, जिला पंचायत सदस्य रोहित प्रजापति, विनय पाठक, राजबहादुर, अवधेश यादव, अनिल वर्मा, विजय बहादुर, धर्मेंद्र कुमार, डॉ. प्रदीप और अंकित वर्मा समेत अन्य लोग शामिल रहे।

एक दिवसीय प्रशिक्षण, घरेलू हिंसा, दहेज और पॉक्सो कानून के प्रावधानों की दी गई जानकारी

महिला संरक्षण कानूनों की जानकारी से 30 नारी संघ लीडर हुईं जागरूक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर ब्लॉक में ग्रामीण महिला सशक्ति-करण कार्यक्रम के तहत छह ग्राम पंचायतों से चयनित 30 नारी संघ लीडरों को महिला संरक्षण कानूनों की जानकारी दी गई। जन शिक्षण केंद्र की ओर से आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण में घरेलू हिंसा, दहेज और बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कानूनों के प्रावधान समझाए गए। दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 के बारे में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि दहेज लेना और देना दोनों कानूनन निषिद्ध हैं। दहेज प्रथा से महिलाओं पर पड़ने वाले सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर चर्चा की गई।

प्रशिक्षण में पॉक्सो अधिनियम के प्रावधान भी समझाए गए। नारी संघ लीडरों को बच्चों को यौन शोषण से बचाने, ऐसे मामलों की पहचान और जरूरत पड़ने पर उचित सहयोग व सहायता के बारे में जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान नारी संघ लीडरों ने महिलाओं और बच्चों तक उनके अधिकारों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी पहुंचाने की बात कही। कार्यक्रम में छह ग्राम पंचायतों—करमिसिरपुर, सलाउद्दी-नपुर, सेठाकला, टिकरी, खालिसपुर भटौली और भदोई—की 30 लीडरों ने सहभागिता की।

प्रशिक्षण को सफल बनाने में जन शिक्षण केंद्र की कार्यकर्ता सरोज, उर्मिला, निशा, बृजेश और हेमलता की भूमिका रही।

> **प्रशिक्षण को व्यवहारिक बनाने के लिए 'रानी' की कहानी के माध्यम से घरेलू हिंसा की स्थिति समझाई गई। प्रतिभागियों को समूहों में सवाल दिए गए। चर्चा के बाद समूहों ने अपने निष्कर्ष प्रस्तुत किए।**

घरेलू हिंसा के चार प्रमुख स्वरूपों पर चर्चा

प्रशिक्षण में घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षक पुष्पा पाल ने बताया कि कानून महिलाओं को घरेलू हिंसा से सुरक्षा और सम्मानपूर्वक जीवन का अधिकार देता है। प्रतिभागियों को शारीरिक, मौखिक एवं भावनात्मक, आर्थिक और लैंगिक हिंसा के बारे में विस्तार से बताया गया। महिलाओं में चोट, मानसिक तनाव, डर, व्यवहार में बदलाव और आर्थिक नियंत्रण जैसे संकेतों की पहचान पर भी चर्चा हुई।

सूरापुर पीएम श्री स्कूल में खुलेगा अंतरिक्ष की दुनिया का रास्ता

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने टेलिस्कोप समेत आधुनिक उपकरणों की परखी उपयोगिता

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा शिक्षा क्षेत्र के पीएम श्री विद्यालय सूरापुर में तैयार खगोल विज्ञान प्रयोगशाला का मंगलवार को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट थानिगईयरसन टी ने निरीक्षण किया। उन्होंने प्रयोगशाला में उपलब्ध टेलिस्कोप समेत आधुनिक उपकरणों की जानकारी ली और विद्यार्थियों की पढ़ाई में इनके उपयोग की स्थिति परखी।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने शिक्षकों को प्रयोगशाला के संसाधनों का अधिकतम इस्तेमाल करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि बच्चों को खगोल विज्ञान केवल किताबों तक सीमित न रहे, बल्कि प्रयोग और अवलोकन के जरिए समझाया जाए।

प्रधानाचार्य को निर्देश दिए गए कि विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से खगोल विज्ञान की विशेष कक्षाएं कराई जाएं। इन कक्षाओं में टेलिस्कोप और अन्य आधुनिक उपकरणों की मदद से खगोलीय घटनाओं और अंतरिक्ष विज्ञान की जानकारी दी जाए। प्रयोगात्मक शिक्षण के जरिए बच्चों में वैज्ञानिक जिज्ञासा और तार्किक सोच विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

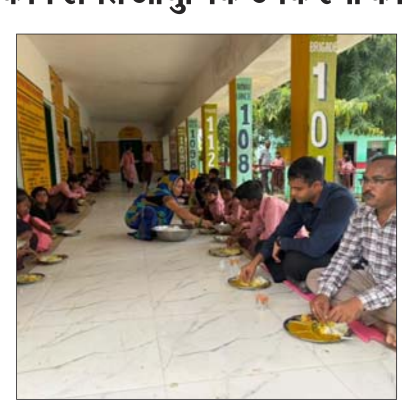

बच्चों से पढ़ाई पर की सीधी बातचीत

निरीक्षण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों को नियमित विद्यालय आने, मेहनत करने और बेहतर शिक्षा हासिल करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय भ्रमण के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने बच्चों के साथ बैठकर मध्याह्न भोजन किया। उन्होंने स्वयं भोजन की गुणवत्ता परखी और विद्यार्थियों से उसके स्वाद व गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली।

काम का मिला सम्मानः बेहतर काम करने वाले कार्मिक पुरस्कृत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बेहतर काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। सम्मान पाने वालों में आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण, राजस्व कार्य और कलेक्ट्रेट की जिम्मेदारियों के साथ मुख्यमंत्री के जनपद भ्रमण कार्यक्रम में व्यवस्था संभालने वाले कर्मचारी शामिल रहे।

आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण में बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसम-स्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान शासन की प्राथमिकताओं में है। मुख्यमंत्री के जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दौरान प्रतिकूल मौसम में स्वच्छता व्यवस्था संभालने वाले सफाईकर्मियों के कार्य की विशेष सराहना की गई। इस दौरान पांच सफाईकर्मियों को सांकेतिक रूप से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफलता में हर कर्मचारी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। सामूहिक प्रयास से ही बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

अपने दायित्वों का लगातार कुशलता से निर्वहन करने वाले राजस्व कर्मियों और लेखपालों को भी सम्मानित किया गया। कलेक्ट्रेट में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

आरोप : मढ़वरपुर में तालाब, बंजर भूमि और चकमार्ग को लेकर शिकायत

दो साल से सरकारी जमीन पर कब्जे का सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। भियांव विकासखंड की ग्रामसभा मढ़वरपुर के चक अज भुजगी में सरकारी भूमि पर कथित कब्जे का मामला फिर सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि तालाब, बंजर भूमि और चकमार्ग पर निर्माण किए गए हैं। शिकायतों के बाद राजस्व विभाग की ओर से जांच किए जाने और बेदखली नोटिस जारी होने की बात सामने आई है। इसके बावजूद जमीन को कब्जामुक्त कराने की कार्रवाई अब तक नहीं हुई है। मामले में गाटा संख्या 29 और 33 की बंजर भूमि तथा चकमार्ग संख्या 37 को लेकर भी कब्जे की शिकायत की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि इन स्थानों पर भी निर्माण कर कब्जा किया गया है।

ग्रामीणों का दावा है कि शिकायत के बाद राजस्व विभाग की टीम करीब तीन बार जांच और सत्यापन कर चुकी है। उनके मुताबिक, जांच में कथित कब्जे की पुष्टि हुई थी। इसके बाद भी मौके से कब्जा हटाने की कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और तहसील प्रशासन से सभी विवादित गाटों की निष्पक्ष पैमाइश कराने की मांग की है। उनका कहना है कि राजस्व अभिलेखों से मिलान कर भूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए। यदि जांच में कब्जा अवैध पाया जाता है तो नियमानु-सार कार्रवाई कर सरकारी भूमि को मुक्त कराया जाए। मामले में लगाए गए कब्जे के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित भूमि पर वास्तविक स्थिति राजस्व अभिलेख, पैमाइश और प्रशासनिक जांच के आधार पर ही स्पष्ट होगी। अब निगाह तहसील प्रशासन की अगली कार्रवाई पर है।

> **ग्रामीणों के अनुसार, तहसील प्रशासन की ओर से जून 2025 में बेदखली का नोटिस जारी किया गया था। नोटिस के बाद आगे की कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।**

तालाब के गाटे पर निर्माण का आरोप

ग्रामीणों के अनुसार, गाटा संख्या 78 राजस्व अभिलेखों में तालाब के रूप में दर्ज है। इसी भूमि पर सूर्यकांत तिवारी द्वारा मकान बनाए जाने का आरोप लगाया गया है। वहां गो संरक्षण केंद्र का बोर्ड लगाए जाने की भी बात कही गई है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि तालाब के रूप में दर्ज भूमि पर निजी निर्माण की अनुमति किस आधार पर मिली। हालांकि, इस संबंध में संबंधित पक्ष का पक्ष उपलब्ध नहीं है।

अंबेडकरनगर की एसपी प्राची सिंह को राष्ट्रीय पहचान

फेम इंडिया-एशिया पोस्ट सर्वे में यूपी के टॉप-10 में छठा स्थान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले की पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह को फेम इंडिया-एशिया पोस्ट के राष्ट्रीय सर्वेक्षण में देश के 100 प्रमुख जिला पुलिस अधीक्षकों की सूची में शामिल किया गया है। सर्वेक्षण में उन्हें उत्तर प्रदेश के टॉप-10 जिला पुलिस अधीक्षकों में छठा स्थान मिलने का दावा किया गया है।

सर्वेक्षण में जिला पुलिस प्रमुखों के नेतृत्व, कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और जनता के साथ संबंधों को प्रमुख मानक बनाया गया। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, संकट के समय निर्णय लेने की क्षमता, तकनीक व नवाचार के इस्तेमाल, पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यशैली का भी मूल्यांकन किया गया। इसके अलावा जनमित्र पुलिसिंग, जनसंपर्क, व्यवहार कुशलता, संकट प्रबंधन और त्वरित निर्णय क्षमता जैसे पहलुओं को भी सर्वे में शामिल किया गया। चयन प्रक्रिया में आधिकारिक आंकड़ों और प्रशासनिक स्रोतों के साथ मीडिया रिपोर्ट, विशेषज्ञों की राय और सोशल मीडिया पर उपलब्ध जानकारी को भी आधार बनाया गया। विभिन्न स्तरों पर मूल्यांकन के बाद टॉप-100 जिला पुलिस प्रमुखों का चयन किए जाने की जानकारी दी गई है। प्राची सिंह 2017 बैच की यूपी कैडर की आईपीएस अधिकारी हैं। वह इससे पहले श्रावस्ती की पुलिस अधीक्षक और एडीसीपी उत्तर के साथ 32वीं वाहिनी पीएसी की कमांडेंट की जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं।

सम्पादकीय

भाजपा की नई टीम

अंततः भाजपा के नए अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम घोषित हो गई। इस टीम के गठन की प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। कुछ इसी तरह मोदी मंत्रिमंडल में विस्तार की भी प्रतीक्षा हो रही थी। नितिन नवीन टीम की घोषणा के बाद यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब मंत्रिमंडल में भी विस्तार होगा? यह प्रश्न इसलिए उठेगा, क्योंकि हाल के समय में कुछ चेहरे मंत्रिमंडल से बाहर हुए हैं।

इनमें प्रमुख हैं धर्मेंद्र प्रधान। इसके अतिरिक्त मंत्रिमंडल के कई चेहरे पुराने पड़ चुके हैं। तथ्य यह भी है कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को फिर से कोषाध्यक्ष बनाया गया है। चूंकि वह पहले भी मंत्री रहने के साथ कोषाध्यक्ष रह चुके हैं, इसलिए वे आगे भी दोनों पद संभाल सकते हैं। जो भी हो, उचित तो यही होगा कि संगठन को नए सिरे से गठित किए जाने के बाद मंत्रिमंडल में भी विस्तार और फेरबदल किया जाए, ताकि उसमें नई ऊर्जा का संचार हो सके। ध्यान रहे जब किसी समूह का नए सिरे से गठन होता है तो कुछ चेहरे ही नहीं बदलते, बल्कि उसकी कार्यशैली और प्राथमिकताएं भी बदलती हैं।

पता नहीं केंद्रीय मंत्रिमंडल में विस्तार और फेरबदल होगा या नहीं, लेकिन इतना अवश्य है कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम के समक्ष जनता से जुड़ाव बढ़ाने और अपेक्षाओं पर खरा उतरने की चुनौती है। उनकी टीम में नए और पुराने, दोनों ही चेहरे हैं। यह दिखाता है कि युवाओं और अनुभवी लोगों में संतुलन बैठाने के साथ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने की कोशिश की गई है और युवाओं एवं महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। ऐसा करना समय की मांग है।

भाजपा की नई टीम में महिलाओं के साथ युवाओं को खास तौर पर आगे किया गया है। इनमें से कुछ तेजतर्रार चेहरे हैं। उन्हें आगे लाना इसलिए आवश्यक था, क्योंकि जहां महिलाएं एक नया और प्रभावी वोट बैंक हैं, वहीं युवा और विशेष रूप से जेन-जी पीढ़ी सबके एजेंडे में हैं। भाजपा की नई टीम को केवल नए अध्यक्ष की टीम कहना सही नहीं होगा। इस टीम में प्रधानमंत्री मोदी की छाप दिख रही है, जो समय की नब्ज भांपने और उसके अनुकूल फैसले लेने के लिए जाने जाते हैं।

भाजपा की नई टीम के सामने जो अनेक चुनौतियां हैं, उनमें सबसे बड़ी चुनौती नैरेटिव बदलने की है। काकरोच जनता पार्टी के उभार के साथ ही विपक्ष ने संसद के मानसून सत्र को जिस तरह चलने नहीं दिया, उससे इसकी आवश्यकता महसूस हो रही है कि भाजपा को सरकार एवं संगठन के जरिये अपने विरोधी नैरेटिव का प्रतिकार करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। इसमें एक बड़ी भूमिका इंटरनेट मीडिया की होगी। यह अच्छा है कि इंटरनेट मीडिया विभाग में नए चेहरे दिख रहे हैं।

नितिन नवीन की नई टीम नई ऊर्जा और नया संतुलन

पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया जाना भी उल्लेखनीय है। यह जिम्मेदारी बताती है कि संगठन में राजनीतिक अनुभव के साथ प्रशासनिक, आर्थिक और पेशेवर दक्षता को भी महत्व दिया जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के साथ यह संकेत दे दिया है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदों के पुनर्विन्यास के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप नए सिरे से गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 17 अगस्त 2026 को घोषित नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महासचिव और 16 राष्ट्रीय सचिवों सहित संगठन के विभिन्न स्तरों पर व्यापक परिवर्तन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है। इस टीम को समझने के लिए इसे केवल 'कौन आया और कौन गया' के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे भाजपा की दीर्घकालीन संगठनात्मक रणनीति, सामाजिक समीकरणों की समझ और आने वाले चुनावों की राजनीतिक चुनौतियों को पढ़ना अधिक महत्वपूर्ण है। नितिन नवीन की टीम का सबसे बड़ा संदेश है-अनुभव को हटाकर युवा ऊर्जा नहीं लाई गई है, बल्कि अनुभव के साथ नई ऊर्जा को जोड़ा गया है। यही संतुलन किसी बड़े राजनीतिक संगठन को गतिशील बनाता है। राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन, वैचारिक संवाद और रणनीतिक राजनीति की उनकी समझ भाजपा के लिए उपयोगी हो सकती है। वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, बैजयंत पांडा, तीरथ सिंह रावत और अन्य वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर यह स्पष्ट किया गया है कि नितिन नवीन ने वरिष्ठता और अनुभव को किनारे नहीं किया है। यह उस संगठनात्मक सोच का प्रमाण है जिसमें पुराने अनुभव को नई परिस्थितियों के अनुरूप इस्तेमाल करने की कोशिश दिखाई देती है। दूसरी ओर स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी देना भी केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं है। स्मृति ईरानी का राजनीतिक व्यक्तित्व आक्रामक संवाद, महिला मतदाताओं से जुड़ाव और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी राजनीतिक संप्रेषण से जुड़ा रहा है। उनकी वापसी भाजपा के लिए राजनीतिक संदेश और संगठनात्मक उपयोगिता-दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। उनके साथ विनोद तावड़े, सुनील बंसल जैसे संगठनात्मक अनुभव रखने वाले नेताओं को महासचिव की जिम्मेदारी मिलना संगठन और चुनावी प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल की ओर संकेत करता है।

बी. एल. संतोष का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बने रहना संगठन की निरंतरता को सुनिश्चित करता है। अर्थात् नितिन नवीन ने पूरी तरह से 'पुराना हटाओ, नया लाओ' की नीति नहीं अपनाई, बल्कि जहां निरंतरता आवश्यक थी वहां उसे बनाए रखते हुए परिवर्तन के लिए पर्याप्त जगह बनाई है। नई टीम का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व है। भाजपा के लिए अब राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, समाज के अलग-अलग वर्गों में संगठन की स्वीकार्यता और पहुंच बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नई टीम में महिलाओं, विभिन्न सामाजिक समुदायों, उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक के प्रतिनिधित्व को स्थान दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार टीम में महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधियों को भी उल्लेखनीय जगह मिली है।

यहां एक और महत्वपूर्ण संकेत दिखाई देता है-भाजपा अब केवल अपने परंपरागत समर्थक वर्ग से संवाद करने के बजाय नए मतदाता समूहों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। युवा, प्रथम बार मतदान करने वाली पीढ़ी, शहरी पेशेवर, तकनीक से जुड़े वर्ग और महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाएं आज चुनावी परिणामों को प्रभावित करती हैं। इसलिए संगठन में ऐसे चेहरों की आवश्यकता है जो केवल राजनीतिक भाषण न दें, बल्कि बदलते समाज की भाषा समझें। भाजपा की नई टीम में इस दिशा का प्रयास स्पष्ट दिखाई देता है। विशेष रूप से युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के स्तर पर किए गए बदलाव इस बात का संकेत हैं कि संगठन भविष्य के मतदाता को आज से ही संबोधित करना चाहता है। जेन-जी को केवल सोशल मीडिया की पीढ़ी मानना भूल होगी। यह पीढ़ी रोजगार, तकनीक, उद्यमिता, पारदर्शिता, राष्ट्रवाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अवसरों को लेकर अलग तरह की अपेक्षाएं रखती है। भाजपा यदि इस पीढ़ी से वास्तविक संवाद स्थापित कर पाती है तो उसका लाभ केवल आगामी चुनाव में नहीं, बल्कि 2030 और 2040 के दशक की राजनीति में भी मिल सकता है। नई टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक परीक्षण हालांकि उत्तर प्रदेश और अन्य चुनावी राज्यों में होगा। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में संगठन की मजबूती का सीधा असर राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ता है। आगामी चुनावों की दृष्टि से भाजपा के सामने केवल सत्ता विरोधी भावनाओं का मुकाबला करने की चुनौती नहीं है, बल्कि विपक्ष के बदलते गठजोड़, जातीय समीकरण, युवाओं की आकांक्षाओं और स्थानीय मुद्दों को भी साधना है। इसलिए राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना चुनावी दृष्टि से स्वाभाविक रणनीति है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि नई टीम का उद्देश्य केवल 2026-27 के चुनाव नहीं हो सकते। भाजपा की दृष्टि निश्चित रूप से 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे आगे तक जाती है। 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य तभी राजनीतिक और सामाजिक आधार प्राप्त कर सकता है जब पार्टी संगठन निरंतर नई पीढ़ी को अपने साथ जोड़ता रहे। इसलिए नितिन नवीन की टीम को एक प्रकार से 2029 की तैयारी और 2047 की राजनीतिक-संगठनात्मक नींव के रूप में भी देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के स्तर पर भी आने वाले समय में परिवर्तन या विस्तार की अटकलें स्वाभाविक हैं, विशेषकर जब सरकार को आगामी राज्यों के राजनीतिक समीकरणों और प्रशासनिक प्राथमिकताओं को साथ लेकर चलना है। लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार के संबंध में अभी किसी विशेष व्यक्ति की नियुक्ति को निश्चित मानना उचित नहीं होगा। अनुराग ठाकुर जैसे अनुभवी नेताओं के संभावित भविष्य की चर्चा राजनीतिक हलकों में हो सकती है, पर अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व पर निर्भर करेगा। नरेन्द्र मोदी की राजनीति में संगठन और सरकार के बीच नई जिम्मेदारियों के माध्यम से ऊर्जा पैदा करने की परंपरा रही है, इसलिए भविष्य में कोई महत्वपूर्ण बदलाव हो तो उसे आश्चर्य के बजाय व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जाना चाहिए।

ललित गर्ग

कोई प्रतिस्पर्धा नहीं

आज के इस भौतिक चकाचौंध के युग में हम देखते हैं कि सभी क्षेत्रो में सभी जगह में कैसे ही हो ,किसी भी तरीक़े से हो ,आगे बढ़ने की अंधाधुँध प्रतिस्पर्धा चल पड़ी हैं ।आधुनिकता का दबाव,प्रतिस्पर्धा का प्रभाव,ज्यादा से ज्यादा आमदनी की चाह भी रहती हैं ।कहीं - कहीं इस प्रतिस्पर्धा के नकारात्मक परिणाम हमको अलग ही स्वरुप में देखने को मिलते हैं । ऐसा नहीं हैं कि प्रतिस्पर्धा ख़राब होती हैं बल्कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा ,सकारात्मक परिणामस्वरुप आगे बढ़ने के लियें सदैव प्रोत्साहित करती रहती है। इस प्रोत्साहन से आगे बढ़ने के लियेसदैव ऊर्जा का संचार होता रहता है।व कितनी भी कठिनाई हो उसमें डगमगाता नहीं हैं । निरन्तर कन्धा से कन्धा मिलाकर चलता रहता हैं व सबकी अच्छाईयो को ही देखता रहता हैं । जुनून, लग्न व परिश्रम से लक्ष्य की और बढ़ता रहता है । यह कोई प्रतिस्पर्धा नही होती बल्कि सफलता ही सफलता को प्राप्त करता रहता हैं । पढ़-लिखकर कैरियर बनाना कोई भी क्षेत्र में तो व्यवहारिक जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए व आजीविका चलाने के लिए आवश्यक होता है। लेकिन दिन-रात सब कुछ भूलकर सिर्फ और सिर्फ़ इस भौतिकता की अंधी दौड़ में एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा की होड़ बुरी है । वह सभी तरीक़े से सुख-चैन सब कुछ छीन लेती है ।आदमी का जीना दुश्वार हो जाता है,कहीं भी मानसिक शांति नहीं पा सकता ,ऐसे में मनुष्य । विवेक से संतुलन बिठाकर किये जाने से कोई भी काम में मनुष्य सफलता पाकर तन से,मन से स्वस्थ रहता हुआ आनंदमय जीवन जी सकता है । सफलता का मंत्र है विवेक से संतुलन बिठाकर काम करना व प्रतिस्पर्धा की नसोचना। हर स्वभाव पर नहींहोता किसी दूसरे का अधिकार व इसको हर जीव करता है स्वीकार। उसके अनुसार ही होता व्यवहार। एक ही घटना का होता सब पर अलग - अलग असर। प्रतिस्पर्धा या उस पर ध्यान केंद्रित करने की अपनी नजर। तब खुशी की खोज पर चल रही डगर। बहुत खुब अल्फाज मे बोला हैं किसी ने की खुशी का कभी पता नही बता सकता हैं कोई कायर। भीतर जाने के रास्ते से अनजान या होंडा - होड़ में भटक रहा बाहर । दया और परोपकार रहते उसके भीतर। ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा रहती बाहर। बाहर या भीतर, किसी एक रास्ते पर देख लो चलकर। खुशी का पता या सही प्रतिस्पर्धा या पाने की चाहत कर, निष्ठा और श्रद्धा व सदाचार के अस्तित्व को लेकर करे प्रतिस्पर्धा।

> प्रदीप छाजेड़

यह ठीक है कि जन...

कमलेश पांडेय

आखिर जन सुराज पार्टी और लोजपा रामविलास के बीच पक रही सियासी खिचड़ी के निहितार्थ क्या हैं?

बिहार में जन सुराज पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक प्रशांत किशोर और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बीच जो राजनीतिक खिचड़ी पकने की चर्चा है, वह उत्तरप्रदेश की राजनीति से अभिप्रेरित है। चूंकि प्रशांत किशोर मशहूर चुनावी रणनीतिकार भी हैं और लगभग सभी प्रमुख पार्टियों के रणनीतिक घाटों की पानी का स्वाद चख चुके हैं, इसलिए उनसे जुड़ी इस आशय की चर्चा भी अनायास नहीं है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सामाजिक न्याय क्रांति और मंडल बनाम कमंडल की मतलबी राजनीति की कड़ी में जहां उत्तरप्रदेश में चार-चार बार दलित नेत्री सुश्री मायावती को मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला और उनकी बहुजन समाज पार्टी तीन बार गठबंधन के तहत और एक बार पूर्ण बहुमत से यूपी की सत्ता में आई। लेकिन बिहार में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद, जदयू के हुक्मरान नीतीश कुमार ने लोजपा के राम विलास पासवान और उनके पुत्र चिराग पासवान को कभी पूर्ण रूप से उभरने ही नहीं दिया और गठबंधन में भी कमजोर बनाए रखा।

यही वजह है कि बिहार में नए जमाने की राजनीति के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने चिराग पासवान के साथ गठबंधन की सम्भवनाओं को हवा दिलवाकर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जनता दल यूनाइटेड

के सुप्रीमो नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव के समक्ष एक तगड़ी चुनौती पेश करने की अपनी मंशा उजागर कर दी है। चिराग पासवान जिस तरह से खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हनुमान करार देते हैं, इससे उनकी भी बेचैनी बढ़ेगी हो।

यह ठीक है कि जन सुराज पार्टी और लोजपा रामविलास के बीच किसी औपचारिक गठबंधन की सार्वजनिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। लेकिन अगस्त 2026 की ताजा राजनीतिक हलचल को देखें तो दोनों के बीच संभावित सियासी तालमेल की चर्चा को महज अफवाह मानकर खारिज करना भी जल्दबाजी होगी। क्योंकि हाल की रिपोर्टों में दोनों के करीब आने और भाजपा-राजद से अलग एक संभावित धुरी की चर्चा सामने आई है। इससे एनडीए की राजनीति में चिराग पासवान का रुतबा बढ़ना भी स्वाभाविक है। फिर भी यदि चिराग पासवान को दलित मुख्यमंत्री बनाने के स्वप्न प्रशांत किशोर यदि दिखाते हैं, या फिर उपमुख्यमंत्री पद का भी सियासी चारा डालते हैं तो मिशन 2029 के संसदीय चुनाव और 2030 के विधानसभा चुनावों को लेकर एनडीए और महागठबंधन के हाथपांव फूलना स्वाभाविक है।

पहला, लोजपा युवराज चिराग पासवान के लिए यह NDA के भीतर दबाव की राजनीति हो सकती है, क्योंकि चिराग पासवान पहले भी सीट बंटवारे और NDA के भीतर अपनी राजनीतिक हैसियत को लेकर स्वतंत्र रुख दिखाते रहे हैं। 2025 में भी उनके प्रशांत किशोर से संभावित संपर्क की खबरें सामने आई थीं। इसलिए सियासत में हर खुली हुई सम्भवनाओं और उससे बनने बिगड़ने वाली हवा से इंकार नहीं किया जा सकता है।

दूसरा, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के लिए लोजपा रामविलास प्रमुख चिराग पासवान एक महत्वपूर्ण सामाजिक-पॉलिटिकल पुल हो सकते हैं। ऐसा इसलिए कि

जन सुराज अपने को BJP और RJD—दोनों से अलग विकल्प के रूप में स्थापित करना चाहता है। अब बांकीपुर में किशोर की जीत ने उन्हें सिर्फ आंदोलनकारी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय चुनावी ताकत के रूप में भी स्थापित किया है। तीसरा, सबसे दिलचस्प संभावना है—'माइनस BJP, माइनस RJD' राजनीति। यानी कि ताजा राजनीतिक चर्चाओं में इसी तरह के पुनर्संयोजन की संभावना उठ रही है। इसका अर्थ होगा कि चिराग पासवान अपना दलित/पासवान प्रभाव और जन सुराज पार्टी अपना युवा, गैर-पारंपरिक तथा शहरी-मध्यवर्गीय आधार जोड़ने की कोशिश करे। दोनों ने यदि रणनीतिक रूप से सवर्णों को तरजीह दी तो भाजपा/कांग्रेस के लिए यह किसी झटके की तरह होगा।

लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दोनों की राजनीतिक जरूरतें अलग अलग हैं। चाहे चिराग पासवान हों या प्रशांत किशोर, दोनों अपना स्वतंत्र राजनीतिक स्पेस बढ़ाना चाहते हैं, साथ ही खुद को तीसरे विकल्प के रूप में स्थापित करना चाहते हैं।

प्रदेश में निराश्रित गोवंश संरक्षण से संवर्धन तक, बनी आत्मनिर्भरता और ग्रामीण रोजगार की नई डगर

उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोवंश का सदियों से महत्वपूर्ण स्थान रहा है। पशुपालन केवल कृषि का सहायक व्यवसाय नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों की आजीविका, जैविक खेती और स्थानीय अर्थव्यवस्था का भी आधार रहा है। ऐसे में निराश्रित गोवंश का संरक्षण, उनके भरण-पोषण की व्यवस्था तथा गोवंश आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना एक बड़ी सामाजिक और प्रशासनिक आवश्यकता है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने निराश्रित गोवंश संरक्षण नीति-2019 लागू कर गोवंश के संरक्षण, संवर्धन और जनभागीदारी को एक साथ जोड़ते हुए व्यापक व्यवस्था विकसित की है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य केवल निराश्रित गोवंश को आश्रय देना नहीं, बल्कि उनके संरक्षण के साथ किसानों की फसलों को छुट्टा पशुओं से होने वाली क्षति से बचाना, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना तथा गोबर और गोमूत्र से उपयोगी उत्पाद तैयार कर गो आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करना भी है।

7,386 गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित हैं 12.37 लाख से अधिक गोवंश

निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश में व्यापक आधारभूत ढांचा तैयार किया गया है। वर्तमान में 6,335 अस्थाई गोआश्रय स्थल, 488 गोवंश वन्य विहार/वृहद गो संरक्षण केन्द्र, 242 कांजी हाउस तथा 321 कान्हा गोशालाएं, अर्थात कुल 7,386 गो-आश्रय स्थलों में लगभग 12,37,694 गोवंश संरक्षित किए गए हैं। इन आश्रय स्थलों के माध्यम से निराश्रित गोवंश को सुरक्षित स्थान, चारा, पानी और आवश्यक देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है। इससे एक ओर गोवंश के संरक्षण को मजबूती मिली है, वहीं दूसरी ओर किसानों की फसलों को छुट्टा पशुओं से होने वाले नुकसान को दूर करने में भी मदद मिली है।

मा0 मुख्यमंत्री सहभागिता योजना से पशुपालकों को मिला सहारा

प्रदेश में गोवंश संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए मा0 मुख्यमंत्री सहभागिता योजना तथा पोषण मिशन के अंतर्गत भी महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इसके तहत अब तक 1,14,481 पशुपालकों को 1,84,227 गोवंश सुपुर्द किए जा चुके हैं। इस व्यवस्था से संरक्षित गोवंश को परिवार आधारित देखभाल का अवसर मिलता है और पशुपालकों को भी पशुपालन के माध्यम से अतिरिक्त आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है। इस प्रकार सरकारी संरक्षण व्यवस्था और जनभागीदारी के बीच एक प्रभावी समन्वय स्थापित हुआ है। प्रदेश सरकार ने सुपुर्दगी में प्राप्त गोवंश के भरण पोषण के लिए प्रति गोवंश धनराशि बढ़ाते हुए रू0 1500 प्रति माह कर दिया है।

संरक्षित गोवंश के बेहतर भरण-पोषण को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने पूर्व निर्धारित 30 रुपये प्रति गोवंश प्रतिदिन की धनराशि को बढ़ाकर 50 रुपये प्रति गोवंश प्रतिदिन कर दिया है। वर्तमान में संरक्षित गोवंश के भरण-पोषण के लिए प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिदिन लगभग 7 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है। इस बढ़ी हुई सहायता से गो-आश्रय स्थलों में चारे एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है।

जरा हटके

इस डिजिटल ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

गाजियाबाद में 'प्रोजेक्ट समर्थ' से संवर रहा दिव्यांग बच्चों का भविष्य

प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के सर्वांगीण विकास और सामाजिक न्याय की अवधारणा को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से संचालित 'प्रोजेक्ट समर्थ' समावेशी शिक्षा और बाल कल्याण के क्षेत्र में एक युगांतरकारी पहल साबित हुआ है। प्रदेश के दूर-दराज के क्षेत्रों में निवासरत दिव्यांग बच्चों (चिल्ड्रन विद स्पेशल नीड्स) को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने, उनके सर्वांगीण पुनर्वास और उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए शुरू किया गया यह व्यापक अभियान अब अपने प्रभावी क्रियान्वयन के दम पर सकारात्मक सामाजिक बदलाव की मिसाल बन चुका है। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की मूल नीति पर आधारित यह परियोजना विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के वैज्ञानिक चिन्हांकन से लेकर उनके डिजिटल ट्रैकिंग, शैक्षणिक संवर्धन, स्वास्थ्य परीक्षण, सहायक उपकरण वितरण एवं वित्तीय सहायता को एक एकीकृत मंच पर सफलतापूर्वक उपलब्ध करा रही है। समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में यह व्यवस्था अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। प्रोजेक्ट समर्थ के सफल क्रियान्वयन की सबसे प्रमुख विशेषता इसकी तकनीक-आधारित पारदर्शी निगरानी प्रणाली है। सरकार द्वारा विकसित किए गए विशेष मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल के माध्यम से प्रदेश भर के विद्यालयों तथा अब तक नामांकित न हो सके दिव्यांग बच्चों का व्यापक डिजिटल डेटाबेस तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत न्याय पंचायत और ब्लॉक स्तर पर तैनात विशेष शिक्षकों द्वारा घर-घर जाकर शून्य से

चौदह वर्ष तथा माध्यमिक स्तर के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का पारदर्शी चिन्हांकन सुनिश्चित किया गया है।

इस डिजिटल प्रणाली पर प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट दिव्यांगता का प्रकार, गंभीरता का स्तर, पारिवारिक पृष्ठभूमि और शैक्षणिक स्थिति का रियल-टाइम डेटा निरंतर दर्ज किया जा रहा है। इस सुदृढ़ व्यवस्था से न केवल योजनाओं के दोहरेपन पर पूर्ण रोक लगी है, बल्कि वास्तविक लाभार्थियों तक सरकारी सुविधाओं, योजनाओं और छात्रवृत्तियों की समयबद्ध पहुंच भी सुनिश्चित हुई है। परियोजना के अंतर्गत संचालित व्यक्तिगत शैक्षणिक योजना (इंडिविजुअलाइज्ड एजुकेशन प्लान) व्यवस्था अत्यंत व्यावहारिक और उपयोगी सिद्ध हुई है। इसके माध्यम से प्रत्येक दिव्यांग बच्चे की सीखने की व्यक्तिगत क्षमता, बौद्धिक स्तर और विशिष्ट शारीरिक आवश्यकताओं के अनुरूप अलग से शैक्षणिक प्रारूप तैयार किया जाता है, जिससे बच्चों के सीखने की गति में निरंतर सुधार दर्ज हो रहा है।

जो बच्चे गंभीर शारीरिक अक्षमता अथवा स्वास्थ्यगत कारणों से नियमित रूप से विद्यालय आने में असमर्थ हैं, उनके लिए गृह-आधारित शिक्षा की ठोस व्यवस्था लागू की गई है। इस प्रक्रिया में विशेष शिक्षक नियमित अंतराल पर बच्चों के घर जाकर अध्ययन, उपचारात्मक शिक्षण और आवश्यक थेरेपी सहायता प्रदान कर रहे हैं, जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे।

शैक्षणिक सामग्री के आधुनिकीकरण के क्रम में दृष्टिबाधित बच्चों के लिए ब्रेल पाठ्यपुस्तकों, स्क्रीन-रीडिंग सॉफ्टवेयर, डिजिटल उपकरणों और टॉकिंग बुक्स की सुलभता सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही मूक-बधिर बच्चों के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा पर आधारित डिजिटल शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराकर उनकी समझ और अभिव्यक्ति क्षमता को सशक्त बनाया गया है। दिव्यांग विद्यार्थियों की नियमित विद्यालयी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने वित्तीय और लॉजिस्टिक प्रोत्साहनों का एक पारदर्शी तंत्र स्थापित किया है। गंभीर दिव्यांगता से प्रभावित बच्चों को घर से विद्यालय लाने और ले जाने के लिए अभिभावकों अथवा सहायकों को एस्कॉर्ट अलाउंस (मार्ग व्यय भत्ता) प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे बैंक खातों में प्रेषित किया जा रहा है। दिव्यांग बालिकाओं की शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देते हुए उनके लिए समर्पित स्टाइपेंड और छात्रवृत्ति योजनाओं का निर्बाध वितरण किया जा रहा है। इस निरंतर आर्थिक और सामाजिक संबल के परिणामस्वरूप प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर दिव्यांग बालिकाओं के ड्रॉप-आउट दर में उल्लेखनीय और ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं। शारीरिक और सहायक पुनर्वास के क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के समन्वय से प्रदेश के सभी जनपदों में नियमित रूप से बृहद मेडिकल असेसमेंट कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परीक्षण के उपरांत बच्चों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, उन्नत डिजिटल श्रवण यंत्र, ब्रेल किट, कैलिपर्स और प्रोस्थेटिक्स जैसे आवश्यक सहायक उपकरण निःशुल्क प्रदान किए जा रहे हैं।गंभीर दृष्टि अथवा श्रवण दोष से प्रभावित बच्चों के जीवन को सुगम बनाने के लिए आवश्यकतानुसार विशेषज्ञ चिकित्सालयों में करेक्टिव सर्जरी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इन समस्त चिकित्सीय प्रक्रियाओं और उपचार का संपूर्ण वित्तीय भार प्रदेश सरकार द्वारा पूर्ण निष्ठा से वहन किया जा रहा है, जिससे निर्धन परिवारों पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ता।

जिन बच्चों को क्लास में होना चाहिए, वे सड़कों पर उतरने को मजबूर, यही है भाजपा सरकार का असली चेहरा: अनित रावत

प्रदेश में शिक्षकों के 77,400 से अधिक पद खाली

77,400 शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती न करना सरकार की मंशा पर उठाता है सवाल: अनित रावत

प्रदर्शन

- गरीब, मजदूर और किसान के बच्चों को अशिक्षित रखकर अपनी तानाशाही और गुंडागर्दी चलाना चाहती है सरकार: अनित रावत
- 77,400 रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती कर सरकारी स्कूलों की दुर्दशा सुधारे सरकार, वरना होगा बड़ा आंदोलन: अनित रावत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी विद्यालयों की जर्जर स्थिति, बुनियादी सुविधाओं के अभाव और शिक्षकों के 77,400 से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती की मांग को लेकर आम आदमी पार्टी की छात्र विंग ASAP (Association of Students for Alternative Politics) ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ के हजरतगंज चौराहे के निकट जीपीओ पर जबरदस्त प्रदर्शन किया। छात्रविंग के प्रदेश अध्यक्ष अनित रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग उठाई। इस दौरान अनित रावत ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूल आज बदहाली के आंसू रो रहे हैं और सरकार युवाओं व बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण पर कड़ा प्रहार करते हुए अनित रावत ने कहा कि जब देश का युवा और बच्चे बेहतर शिक्षा व रोजगार के लिए सवाल पूछते हैं, तो प्रधानमंत्री उन्हें 'नक्सली दिमाग' कहते हैं। रावत ने दो टूक कहा कि अगर शिक्षा के लिए हिसाब मांगना और रोजगार के लिए सवाल पूछना आपकी नज़र में नक्सलवाद है, तो हमें यह स्वीकार है। प्रधानमंत्री को यह समझना चाहिए कि युवा अपना हक मांग रहा है, कोई खैरात नहीं। अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए छात्रों पर ऐसा लांछन लगाना शर्मनाक है। अनित रावत ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की मंशा बहुत स्पष्ट है—वे चाहते हैं कि गरीब, मजदूर और किसान का बच्चा अशिक्षित रहे। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी जानते हैं कि जिस दिन गरीब का बच्चा पढ़-लिख जाएगा, वह उनकी तानाशाही और गुंडागर्दी के खिलाफ सवाल खड़ा करेगा। इसी डर से सरकारी स्कूलों को बर्बाद किया जा रहा है। आम आदमी पार्टी की छात्रविंग मांग करती है कि जल्द से जल्द सभी 77,400 रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जाएं ताकि हर गरीब बच्चे को बेहतर शिक्षा मिल सके। इस दौरान छात्रविंग के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अंशुल यादव, प्रदेश संगठन मंत्री आशीष , निलेश, चन्द्रजीत, शाहिद सहीत सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार और नई शिक्षक भर्ती की मांग की।

नौजवानों को नौकरी देने के बजाय बेरोजगार रखना चाहती है सरकार: अनित रावत

स्कूलों में न कमरे हैं न शिक्षक, बदहाल व्यवस्था के खिलाफ सड़क पर उतरे मासूम बच्चे: अनित रावत

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए छात्रविंग के प्रदेश अध्यक्ष अनित रावत ने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में सरकारी विद्यालयों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। विद्यालयों में बैठने के लिए कमरे नहीं हैं और जहाँ कमरे हैं, वहाँ शिक्षक नदारद हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि छोटे-छोटे बच्चे अपनी पढ़ाई और शिक्षकों की मांग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। जिन बच्चों को आज क्लास में बैठकर अपना भविष्य संवारना चाहिए था, वे आज रोड जाम कर सरकार से गुहार लगा रहे हैं कि 'हमें टीचर दे दो'।

77,400 शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती न करना सरकार की मंशा पर उठाता है सवाल: अनित रावत

अनित रावत ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में लगभग 77,400 से अधिक शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। यदि सरकार इन पदों पर तत्काल नौजवानों की नियुक्ति कर दे, तो स्कूलों में शिक्षकों की कमी भी पूरी हो जाएगी और हजारों युवाओं को रोजगार भी मिल जाएगा। लेकिन केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार जानबूझकर युवाओं को बेरोजगार रखना चाहती है। सरकार की प्राथमिकता में शिक्षा और रोजगार कभी रहा ही नहीं है।

फास्ट न्यूज

बारिश में पिकप भवन पहुंचे अभ्यर्थी

लखनऊ । लखनऊ में UPSSSC की जूनियर असिस्टेंट भर्ती को लेकर अभ्यर्थियों का गुस्सा सड़क पर दिखा। 5512 पदों की भर्ती का अंतिम परिणाम 4 साल बाद भी जारी नहीं हुआ है। इसे लेकर मंगलवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी गोमतीनगर स्थित पिकप भवन पहुंचे। तेज बारिश के बावजूद अभ्यर्थी प्रदर्शन करते रहे। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई।

शहीद पथ पर डीआइजी की कार में पीछे से टक्कर

लखनऊ । लखनऊ के शहीद पथ पर मंगलवार दोपहर DIG हेमराज मीणा की कार हादसे का शिकार हो गई। हुसड़िया चौराहे के पास पीछे से आ रही कार ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। इसके बाद DIG की कार आगे चल रही गाड़ी से जा भिड़ी। हादसे में हेमराज मीणा पूरी तरह सुरक्षित हैं, जबकि उनकी कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल रहा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई।

लखनऊ से यूपी के शहरों में पहुंचेगी 'जेनजी महाजुटान यात्रा'

लखनऊ। लखनऊ यूपी प्रेस क्लब में आइसा ने 'GenZ Rising' अभियान के उत्तर प्रदेश चैप्टर के तहत GEN-Z महाजुटान यात्रा की घोषणा की। यह यात्रा जंतर-मंतर आंदोलन से जुड़े नेताओं के नेतृत्व में प्रदेश के अलग-अलग शहरों में पहुंचेगी। यात्रा का उद्देश्य छात्रों और युवाओं के स्थानीय मुद्दों को प्रदेशव्यापी आंदोलन से जोड़ना है। यात्रा में मुख्य रूप से नेहा और मनीष शामिल रहेंगे।

मयूर रेसिडेंसी विस्तार में महिलाओं ने धूमधाम से मनाया हरियाली तीज उत्सव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मयूर रेसिडेंसी विस्तार महिला ग्रुप की ओर से हरियाली तीज के पावन पर्व पर भव्य एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सावन की हरियाली और उल्लास से सराबोर इस कार्यक्रम में कॉलोनी की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। इसके बाद श्रद्धा उपाध्याय ने मधुर कजरी गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में सावन की रंगत भर दी। मंच संचालन नीतू शर्मा एवं अपर्णा सिंह ने संयुक्त रूप से किया, जबकि अर्चना सिंह ने भी संचालन में सहयोग दिया। विभिन्न खेलों एवं मनोरंजक गतिविधियों को आकर्षक बनाने में पल्लवी और जया श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान स्नेहा, कीर्ति सिंह, अनीता पटेल, भावना, पूजा, कीर्ति गुप्ता, नेहा, मीनू, श्वेता, गिरीश और नीलम ने लोकगीतों एवं बॉलीवुड गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। महिलाओं ने विभिन्न खेलों और मनोरंजक गतिविधियों में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की संयोजिका आभा श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच देने के साथ-साथ आपसी सौहार्द, भाईचारे और भारतीय संस्कृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पीएसी तैनात कर 200 भैंसें उठवाईं

लोगों ने टीम पर हमला किया था, मेयर बोलीं- पूरा इलाका साफ कर देंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा (लखनऊ)। लखनऊ के पारा में नगर निगम की कैटल कैचर टीम पर हमले के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। मंगलवार को नगर निगम की टीम के साथ 3 थानों की फोर्स और एक कंपनी पीएसी बल पहुंचा। सभी जवान हेलमेट, बुलेटप्रूफ जैकेट पहने हुए थे। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में निगम की टीम ने 4 मोहल्लों से करीब 200 भैंसें उठवा लीं।

टीमों के बाद मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार भी पहुंचे। यहां मेयर ने कहा- जो पुलिस आपकी सुरक्षा करती है, उस पर हमला स्वीकार नहीं है। पूरा इलाका साफ कर देंगे। इन लोगों ने पुलिस और नगर निगम की टीम पर हमला किया। आज पूरे इलाके से भैंसें उठवा ली गई हैं। दरोगा पर हमला कर सिर फोड़ दिया गया था।

दरअसल, रविवार को टीम एक दरोगा और कुछ पुलिसबल के साथ पहुंची थी तो अवैध डेयरी संचालकों ने उन पर हमला कर दिया था। पुलिस ने पशु कल्याण अधिकारी अवधेश कुमार की शिकायत पर अबरार, इमरान, सालून, सुबिल, सराफत, अतीक, आशिफ, वारिश, नसीम, रानू, जीशान, नाफिश समेत 24 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कई को हिरासत में लिया था। सोमवार को दो महिलाओं को भी गिरफ्तार किया था।

इस अभियान में नगर निगम की कैटल कैचर टीम के साथ पारा, दुबग्गा और काकोरी थाने की फोर्स मौजूद है। मौके पर एसीपी काकोरी शकील अहमद सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचे।

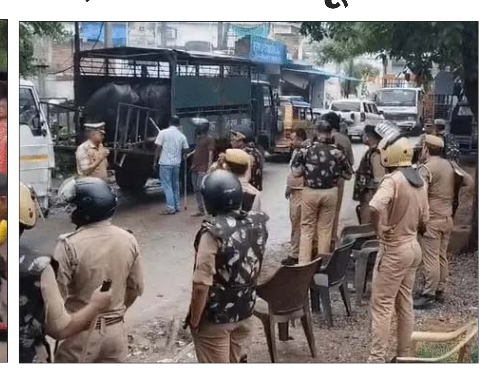

इंस्पेक्टर को मारा, उसका सख्त जवाब दिया जाएगा

मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा- यह पुलिस और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई है। इन्होंने जिस तरह से नगर निगम के कर्मचारियों और इंस्पेक्टर को मारा, वह बहुत ही गलत काम किया था। इस पर सख्त कार्रवाई होगी। इलाका पूरा साफ कर देंगे। आज ये इलाका पूरा साफ कर दिया है। इन हमलावरों को आज जवाब दिया जा रहा है। पुलिस आपकी सुरक्षा करने के लिए है, न कि आपसे मार खाने के लिए।

तिकोनिया, गायत्री विहार, ज्ञानेंद्र विहार में कार्रवाई

तिकोनिया, गायत्री विहार, ज्ञानेंद्र विहार में नगर निगम की टीम और पुलिस फोर्स ने सबसे पहले कार्रवाई की। यहां के करीब 10 घरों और डेयरियों से भैंसों को बाहर निकाला। भारी पुलिस फोर्स की तैनाती की वजह से लोगों ने पिछली बार की तरह विरोध करने की हिम्मत नहीं दिखाई। इन मोहल्लों में कार्रवाई के बाद टीम हैदर कैनाल के पास कुल्हरकट्टा रोड की तरफ गई। वहां पर डिप्टी खेड़ा में भैंसों को पकड़ा जा रहा है। महिलाओं ने टीम के कर्मचारियों को गाली दी लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी के चलते विरोध चल नहीं सका।

सीएम योगी के निर्देश पर आयुष्मान योजना में गड़बड़ी करने वाले अस्पतालों पर कसा शिकंजा

आयुष्मान मरीजों के इलाज में लापरवाही पर सरकार सख्त

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार द्वारा आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों के इलाज में लापरवाही, नियमों के उल्लंघन और वित्तीय अनियमितताओं पर लगातार आयुष्मान योजना से जुड़े अस्पतालों के खिलाफ एक्शन लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर वर्ष 2020 से 2026 तक कुल 866 अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनमें सबसे अधिक 648 अस्पतालों का डी-इम्पैनलमेंट किया गया जबकि 61 अस्पतालों को योजना से निलंबित किया गया। वहीं 17 अस्पतालों में विशेषता को डी-इम्पैनलमेंट किया गया है। इसके अलावा 140 अस्पतालों पर पेनाल्टी की कार्रवाई करते हुए साढ़े आठ करोड़ से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। इनसे अब तक 4 करोड़ रुपये से अधिक जुर्माने की धनराशि वसूली गई है। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों के गुणवत्तापूर्ण इलाज को लेकर काफी गंभीर हैं। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप मरीजों के इलाज में लापरवाही और मानकों को पूरा न करने वाले अस्पतालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में लापरवाही पर 318 अस्पतालों के खिलाफ एक्शन लिया गया। इनमें 242 अस्पतालों को भारत सरकार के 35 इंडीकेटस पूरा न करने पर डी-इम्पैनलमेंट किया गया जबकि 61 अस्पतालों को निलंबित किया गया। इनमें 15 अस्पतालों की स्पेशियलिटी का डी-इम्पैनलमेंट भी शामिल है।

866 अस्पतालों पर कार्रवाई

61 अस्पतालों को किया गया निलंबित, 648 अस्पतालों को किया गया डी-इम्पैनलमेंट

दो वित्तीय वर्षों में 140 अस्पतालों पर लगाई गई 8.53 करोड़ रुपये की पेनाल्टी

इससे पहले वर्ष 2025 में 16 अस्पतालों पर कार्रवाई की गई थी, जिसमें 14 अस्पतालों का डी-इम्पैनलमेंट, दो अस्पतालों की स्पेशियलिटी का डी-इम्पैनलमेंट किया गया।

पिछले दो वर्षों में 140 अस्पतालों पर लगाई गई पेनाल्टी

साचीज की सीईओ ने बताया कि वर्ष 2024 में 27 अस्पतालों पर कार्रवाई हुई। वहीं वर्ष 2023 में 203, वर्ष 2022 में 41, वर्ष 2021 में 44 और वर्ष 2020 में 77 अस्पतालों पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2025-26 में 60 अस्पतालों के खिलाफ 3,45,66,861 रुपये पेनाल्टी लगाई गई। इनमें अस्पतालों से अब तक 3,19,27,958 रुपये की वसूली हो चुकी है जबकि शेष धनराशि की वसूली की कार्रवाई चल रह है।

चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से में उतरकर भारत ने रचा इतिहास

तमसा संकेत, एजेंसी

- इसरो वैज्ञानिक बोले- जिसे दुनिया ने असंभव माना, भारत ने कर दिखाया

लखनऊ। चंद्रयान-3 के लैंडर की चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से में सफल लैंडिंग भारत की वैज्ञानिक क्षमता का बड़ा प्रमाण है। जिस उपलब्धि को कभी लगभग असंभव माना जाता था, भारत ने उसे संभव कर दिखाया। यह बात इस्ट्रैक, बंगलूरू के निदेशक एमआर राघवेन्द्र ने मंगलवार को सीएमएस गोमतीनगर कैंपस में आयोजित राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस-2026 के कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता सिर्फ देश की बढ़ती वैज्ञानिक क्षमता को नहीं दर्शाती, बल्कि यह युवाओं को विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करती है। ऐसे में इस उपलब्धि को कमतर नहीं आंका जा सकता।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को भारत के प्रमुख अंतरिक्ष अभियानों और उपलब्धियों की जानकारी दी गई। चंद्रयान-3, आदित्य-L1 और SPADEX जैसे महत्वपूर्ण अभियानों पर विशेष वार्ता हुई। विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष वैज्ञानिकों से संवाद कर अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान से जुड़े सवाल पूछे।

कार्यक्रम में अंतरिक्ष अभियानों से जुड़े विभिन्न मॉडलों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसके जरिए विद्यार्थियों को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम, अंतरिक्ष तकनीक और वैज्ञानिक उपलब्धियों को करीब से समझने का अवसर मिला।

वारदात : 3 गोलियां मारीं, पत्नी को मायके ले जाने से नाराज था, भीड़ ने बांधकर पीटा

रिटायर्ड फौजी ने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनकर साले की हत्या की

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में रिटायर्ड फौजी ने सगे साले की हत्या कर दी। वह सुल्तानपुर से साले की मेडिकल स्टोर की दुकान पहुंचा। वहां ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जब तक साला कुछ समझ पाता, तब तक तीन गोलियां उसे लग गईं। वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। आरोपी बुलेटप्रूफ जैकेट पहनकर पहुंचा था।

फौजी ने मौके से भागने की कोशिश की। भीड़ ने उसे पकड़ लिया। रस्सी से बांधकर पीटा। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह आरोपी फौजी कपिल यादव (43) को भीड़ से बचाया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया। आसपास के लोग साले देवेंद्र यादव (48) को जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फौजी कपिल यादव का पत्नी प्रियंका से विवाद चल रहा था। सोमवार को देवेंद्र अपने जीजा के घर सुल्तानपुर गया। वहां से बहन प्रियंका और बच्चों को साथ ले आया था। इसी बात से कपिल साले से नाराज था। वारदात मंगलवार दोपहर 12 बजे जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर कोहंडौर थाना क्षेत्र की है।

15 साल पहले हुई थी शादी, 6 महीने से पत्नी से था विवाद

फौजी कपिल (43) की 15 साल पहले प्रियंका से शादी हुई थी। पिछले साल कपिल फौज से रिटायर हो गया था। वह सुल्तानपुर के जिला अस्पताल में गार्ड की नौकरी करने लगा था। 6 महीने से पति-पत्नी में विवाद चल रहा था। सोमवार को फिर किसी बात पर कपिल का प्रियंका से विवाद हो गया। प्रियंका ने अपने भाई देवेंद्र को फोन कर दिया। देवेंद्र सुल्तानपुर प्रियंका के घर पहुंचा। वहां प्रियंका और उसके बच्चे को लेकर घर आ गया।

प्रतापगढ़ में मदाफरपुर बाजार में देवेंद्र की मेडिकल स्टोर की दुकान है। सोमवार को वह दुकान पर बैठा था। तभी कपिल सुल्तानपुर से वहां पहुंच गया। वह फौजी की वर्दी में था। दोनों के बीच बहस हुई। कपिल ने धमकाया कि तुम प्रियंका को लेकर कैसे आ गए। इसी दौरान बात बढ़ी तो कपिल ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

आईटीआई और पॉलिटेक्निक में रिक्त पदों पर होगी अनुदेशकों की नियुक्ति

तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार कटिबद्ध

- राजकीय गोविंद बल्लभ पंत पॉलिटेक्निक, लखनऊ सहित विभिन्न जिलों में रिक्त पदों को भरने के दिए गए निर्देश
- भर्ती प्रक्रिया संपन्न होने तक रखे जा रहे हैं अनुदेशक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। समाज कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत संचालित राजकीय आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों में अनुदेशकों (Instructors) के रिक्त पदों पर जल्द ही पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से भर्ती की जाएगी। भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने तक रिटायर्ड शिक्षकों आदि को अनुदेशक के रूम में लगाया जा रहा है।

40 पद हैं खाली

वर्तमान में राजकीय गोविंद बल्लभ पंत पॉलिटेक्निक, मोहन रोड, लखनऊ में 07 पद, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI), बख्शी का तालाब, लखनऊ में 23 पद, राजकीय आईटीआई/पॉलिटेक्निक, गोरखपुर में 09 पद और राजकीय आईटीआई/पॉलिटेक्निक, प्रतापगढ़ में 01 पद रिक्त है।

बयान

हमारी सरकार युवाओं के कौशल विकास और उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

अनुदेशकों की नियुक्ति होने से संस्थानों में शैक्षणिक स्तर मजबूत होगा और छात्रों को आधुनिक तकनीकों का बेहतर व्यावहारिक ज्ञान मिल सकेगा। पारदर्शी और निष्पक्ष प्रक्रिया के जरिए योग्य अभ्यर्थियों के चयन की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

असीम अरुण

2 घंटे में 6 बुलडोजरों से गिराया ■ पुलिसवालों और सपाइयों के बीच धक्का-मुक्की

59 साल पुराने मस्जिद मदरसे पर चला बुलडोजर

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

सिद्धार्थनगर । यूपी के सिद्धार्थनगर में मंगलवार को एक मस्जिद और मदरसे के आधे से ज्यादा हिस्से को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया गया। 59 साल पुराना मस्जिद-मदरसा सरकारी जमीन पर बना था। सुबह 7 बजे SDM और 5 थानों के लगभग 100 पुलिसकर्मी 6 बुलडोजर लेकर पिपरा रामलाल गांव पहुंचे।

14 हजार स्क्वायर फीट में बने मस्जिद-मदरसे के अवैध 9 हजार स्क्वायर फीट हिस्से पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। इस बीच, डुमरियागंज की सपा विधायक सैय्यदा खातून, सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव समेत 50 से ज्यादा कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। बुलडोजर एक्शन का विरोध कर नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने रोका तो बहस होने लगी।

उनके बीच धक्का-मुक्की भी हुई। करीब आधे घंटे तक इलाके में तनाव बना रहा। बाद में पुलिस ने बैरिकेडिंग कर लोगों को दूर किया और 2 घंटे में आधी मस्जिद, आधे मदरसे, 7 कमरे और एक दुकान को ढहा दिया।

मदरसे में 400 बच्चे पढ़ते थे, 14 अगस्त को कोर्ट ने दिया था आदेश

गांव के लोगों ने बताया- आरबिया जियाउल उलूम मदरसा 1938 में गांव के अंदर बना था।1967 में इसे पीपरा रामलाल गांव की मेन रोड यानी बांसी-डुमरियागंज मार्ग पर शिफ्ट कर दिया गया। मदरसे का निर्माण पहले निजी जमीन पर किया गया। उसके बाद धीरे-धीरे आगे खाली पड़ी सरकारी जमीन पर कब्जा होता चला गया। मदरसे में करीब 400 बच्चे पढ़ते थे।

अफसरों ने बताया- सरकारी रिकॉर्ड में मदरसे की जमीन सिर्फ 5 हजार स्क्वायर फीट ही है। बाकी 9 हजार स्क्वायर फीट जमीन खेल के मैदान के रूप में दर्ज है। 2022 में पांच ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से इस जमीन से कब्जा हटाने के लिए डुमरियागंज तहसीलदार कोर्ट में याचिका दायर की थी।

■ 6 बुलडोजरों की मदद से दो घंटे मदरसे के आधे से ज्यादा हिस्से को ढहा दिया गया।

पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं के बीच तीखी बहस हुई

बुलडोजर एक्शन की सूचना पर सपा नेता मौके पर पहुंचे और पुलिस से एक्शन रोकने को कहने लगे। उनका कहना है कि ये गलत हो रहा है। पुलिसकर्मियों ने जवाब दिया कि प्रशासनिक कार्रवाई है। मदरसा सरकारी जमीन पर बना है। हम लोगों को अपना काम करने दीजिए। सपाई फिर भी नहीं माने। सपा नेता कमाल अहमद खान मदरसे के पास जाने की कोशिश करने लगे। प्रभारी निरीक्षक डुमरियागंज श्री प्रकाश यादव उन्हें रोका। कहा कि आप लोग जबरदस्ती मत करिए, नहीं तो हमें भी सयती करनी पड़ेगी। इस पर कमाल खान भड़क गए। कहने लगे कि ठीक है, जो करना है, कर लो। हाथ लगाओगे क्या? हंगामा बढ़ता देख बाकी पुलिसकर्मियों ने उन्हें समझाकर शांत कराया। विधायक सैय्यदा खातून ने भी सपा नेताओं से शांति के साथ बातचीत करने की बात कही।

गोरखपुर जेल में बच्ची को फिल्मी गाना सुना रही महिला-ठग

बोलती है- चुप हो जा बेटी, जल्दी जमानत हो जाएगी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में डॉक्टरों और अफसरों से 10 करोड़ से अधिक की ठगी करने वाली महिला और उसके पिता पर 7वीं FIR दर्ज की गई है। इधर, जेल की महिला बैरक में बंद ठग गरिमा सिंह अपनी 4 महीने की बच्ची को 1969 की फिल्म आराधना में गाई गई लोरी- चंदा है तू मेरा सूरज है तू गाकर सुनाती है। बच्ची रोती है तो उससे कहती है कि रो मत बेटी, बहुत जल्द जमानत हो जाएगी, हम बाहर निकल जाएंगे।

एम्स थाने की पुलिस ने 1.47 करोड़ की ठगी के आरोप में 3 अगस्त को बाप-बेटी को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया था। आरोपी गरिमा सिंह अपनी बच्ची के साथ महिला बैरक में है। वहीं पिता ध्रुव नारायण सिंह मुलहिया बैरक में बंद है। इसके बाद 13 अगस्त को ठगी के शिकार डॉ. परमात्मा सिंह ने अपार्टमेंट की 8वीं मंजिल से कूदकर

सुसाइड कर लिया। इस घटना के बाद पुलिस अब बाप-बेटी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है। गैंगस्टर लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

गरिमा दो बच्चों की मां है। पति कुशीनगर में टीचर है। वह भी मुकदमे में आरोपी बनने के बाद से ही फरार है। गिरफ्तारी के बाद गरिमा के 12 साल के बेटे को रिश्तेदार के घर रखवाया गया। जबकि 4 माह की बच्ची गरिमा के साथ जेल में है।

करोड़ों की ठगी करने वाली गरिमा सिंह जेल में भी भौकाल बना रही है। जेल सूत्रों के मुताबिक, महिला बंदियों से कहती है कि मुझे गलतफहमी में पकड़ा गया। सही बात सामने आ जाएगी।

फास्ट न्यूज

आगरा के कैलाश मंदिर में सावन पर उमड़ा आस्था का

आगरा । सावन के तीसरे सोमवार को आगरा के कैलाश महादेव मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रात 2 बजे से ही डाक कांवड़ियों का पहुंचना शुरू हो गया था। भोर होते-होते मंदिर के बाहर लंबी कतारें लग गईं। चारों तरफ 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारे गूंजते रहे। मंदिर प्रशासन के मुताबिक, अब तक लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक कर चुके हैं।

कानपुर में कूड़ा फेंकने गई महिला से बैडटच

कानपुर। कानपुर में घर के बाहर कूड़ा फेंकने निकली महिला से छेड़छाड़ का वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि रविवार रात के करीब 10 बजे एक महिला सलवार सूट पहनकर घर से बाहर निकलती है। फिर बगल के नाली में ही कूड़ा फेंकने लगती है। इतने में गली में एक अधेड़ व्यक्ति उसकी ओर आ जाता है। इसके बाएं हाथ से महिला को बैड टच करता है। महिला डरकर तुरंत घर की ओर भागती है। इसके बाद अधेड़ व्यक्ति दोबारा से पीछे मुड़ता है और फिर चला जाता है। पूरा मामला नवाबगंज थानाक्षेत्र का है।

आगरा में बादलों की आवाजाही के बीच निकली धूप

आगरा । आगरा में मंगलवार सुबह से मौसम साफ है और हल्की धूप निकली हुई है। हवा की रफ्तार सामान्य से कुछ ज्यादा है, लेकिन उमस के कारण लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग ने दिन में बादल छाने के साथ एक-दो बार बूंदाबांदी या बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक 23 अगस्त तक आगरा में मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है।

आगरा में चलती ट्रेन के बीच कूदा व्यक्ति, मौत

जेब से मिला तुगलकाबाद से बीना का टिकट

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-2 पर मंगलवार सुबह जीटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के सागर निवासी श्रीराम हरिजन के रूप में हुई है। शव की जेब से तुगलकाबाद से बीना का टिकट मिला है। पुलिस मामले को आत्महत्या मानकर जांच कर रही है। सुबह करीब 9 बजे दिल्ली से झांसी की ओर जा रही 12920 जीटी एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर 2 से गुजर रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति अचानक ट्रेन के सामने कूद गया और उसकी चपेट में आ गया। हादसे में युवक के शरीर के कई टुकड़े हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। शव की तलाशी ली

गई तो उसकी जेब से तुगलकाबाद TKD से बीना तक का कन्फर्म टिकट बरामद हुआ। इससे अनुमान है कि मृतक तुगलकाबाद से बीना जा रहा था।

बताया जा रहा है कि श्रीराम ट्रेन से उतर गया। ट्रेन के चलने और रफ्तार पकड़ने के बाद वह अचानक ट्रेन के बीच में कूद गया। इस हादसे में युवक के सिर, हाथ और धड़ अलग-अलग हो गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। आरपीएफ और जीआरपी की टीम तुरंत पहुंची और ट्रैक से शव के टुकड़े समेटे।

गायों को बचाने में हादसा ■ ग्वालियर से लखीमपुर लौट रहे थे, 23 घायल

यूपी के 8 लोगों की मौत ट्रक से टकराई पिकअप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी/भिंड । मध्य प्रदेश में हुए भीषण सड़क हादसे में यूपी के 8 लोगों की मौत हो गई। भिंड में हाईवे पर सोमवार रात एक बजे तेज रफ्तार पिकअप गाय को बचाने में बेकाबू होकर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में पिकअप सवार 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 23 घायल हैं।

ये सभी ग्वालियर में धान रोपाई का काम पूरा करके लखीमपुर खीरी अपने घर लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। ट्रक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर चीख-पुकार मच गई। सड़क पर शव बिखर गए। घायल दर्द से कराहने लगे। धमाके जैसी आवाज

सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को जानकारी दी। स्थानीय लोग घायलों को उठाकर सड़क किनारे ले गए। हादसा गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के छीमका गांव के पास हुआ। सीएम योगी ने मृतकों के परिवार को 2-2 लाख की आर्थिक मदद का ऐलान किया। पार्थिव शरीर परिजनों को सौंपने और घायलों के इलाज का इंतजाम करने के निर्देश भी परिजनों को दिए। हादसे में जान गंवाने वाले किशनपुर गांव के गुड्डू की पत्नी माया देवी का रो रोकर बुरा हाल है। माया देवी ने बताया कि 15 दिन पहले पति मजदूरी करने पास के ठेकेदार के साथ गए थे। 4 दिन पहले ही उनसे आखिरी बार फोन पर बात हुई थी। इस दौरान उन्होंने घर का हालचाल पूछा था और खेतों में खाद डालने की बात भी कही थी। इसके बाद उनसे कोई संपर्क नहीं हो सका।

■ किशनपुर गांव में तहसीलदार और लेखपाल पहुंचे, मृतकों के परिजनों से पूछताछ की।

मृतकों में एक ही गांव के 4 लोग

मृतकों में थाना मोहम्मदी के गांव बेला तरसिया के रहने वाले उपदेश (22) पुत्र मोहन, अमर सिंह पुत्र वंशीधर, सुखदेव (50) पुत्र कंचन, रजनीश (30) पुत्र कंचनलाल पासी व किशनपुर गांव के गुड्डू (50) पुत्र प्रहलाद पासी, पसगवां के रहने वाले अजीत, हरना निउली के सुभाष (30) पुत्र कमलेश शामिल हैं। एक मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

80 से 90 की स्पीड में था पिकअप

गोहद चौराहा थाना प्रभारी रामनरेश यादव ने बताया- अब तक की जांच में पता चला है कि पिकअप की रफ्तार 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटा रही होगी। छीमका गांव के पास हाईवे पर कुछ गायें बैठी थीं। अचानक सामने आए मवेशियों को बचाने की कोशिश में ड्राइवर ने पिकअप मोड़ी। तभी सामने ट्रक आ गया। पिकअप में 31 लोग सवार थे। टक्कर इतनी तेज थी कि 20 फीट तक शव बिखर गए। पिकअप का इंजन, टायर भी टूट गए। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया।

लखीमपुर में एमएलए ने सचिव को फोन पर हड़काया, कहा- देख लूं तो पेड़ सूख जाए

'भाजपा विधायक हूं जेल में बंद करा दूंगा'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। मैं रूलिंग पार्टी का विधायक हूं, पेड़ को देख लूं तो वो सूख जाएगा। कोई कितना भी पावरफुल हो, उसे पिटवाकर जेल में बंद कराऊंगा। मुझे गरीब जनता ने वोट दिया है, मैं किसी पैसे वाले का गुलाम नहीं हूं।

लखीमपुर के भाजपा विधायक विनोद शंकर ने अवस्थी ने सहकारी समिति के सचिव को फोन पर फटकार लगाई। दरअसल, विधायक क्षेत्र के दौरे पर निकले थे, तभी किसानों ने उन्हें रोक लिया।

कहा- सचिव सरकारी यूरिया और एनपीके खाद ओवररेट पर बेच रहा है। 260 रुपए वाली यूरिया खाद 280 में बेची जा रही है। 20 रुपए

ज्यादा लिए जा रहे हैं। यह सुनते ही विधायक नाराज हो गए। अफसरों को बुलाया।

इसके बाद 25-30 किसानों से बढ़ाकर वसूली गई रकम वापस कराई। घटना 17 अगस्त की दोपहर 2 बजे खरवहिया बाजार की सहकारी समिति में हुई थी। इसका वीडियो मंगलवार दोपहर सामने आया।

विधायक ने एडीओ कॉपरेटिव रजनीश सिंह को कॉल किया तो उनका नंबर ऑफ मिला। इसके बाद विधायक ने जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह से शिकायत की। आखिर में सचिव श्रीधर वर्मा को कॉल की। फोन पर सचिव ने बताया कि वह समिति पर मौजूद नहीं हैं। कर्मचारी खाद बांट रहे हैं। जवाब में विधायक ने कहा- गरीब जनता ने ही मुझे वोट देकर जिताया है। इनके साथ ऐसी लूट बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

किसान की बात सुनकर विधायक ने फोन करके अफसरों बुलाया

बताया जाता है कि किसान लंबे समय से खगियापुर बी-पैक्स समिति में खाद ज्यादा कीमत पर बेचने की शिकायत कर रहे थे। सोमवार दोपहर 2 बजे विधायक समिति के पास पहुंचे। किसानों ने उन्हें बताया कि सचिव मनमानी कर रहा है और किसी की बात नहीं सुनता। किसानों की शिकायत पर विधायक ने अफसरों को फोन कर जांच के लिए मौके पर बुलाया। एडी कॉपरेटिव जुल्फिकार, तहसीलदार धौरहरा और पुलिस भी मौके पर पहुंची। जांच के दौरान समिति के सचिव श्रीधर वर्मा वहां नहीं मिले।

फरीदाबाद की डेयरी में तख्त से गिरा युवक, मौत

परिजनों की जांच की मांग, यूपी का रहने वाला, 25 दिन पहले आया था

तमसा संकेत, एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सेक्टर-31 थाना क्षेत्र के एत्मादपुर में दूध की डेयरी पर काम करने वाले 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के कन्नौज निवासी मृत्युंजय के रूप में हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार मृत्युंजय पिछले कई वर्षों से फरीदाबाद में दूध की डेयरी पर काम करता था। वह डेयरी पर दूध निकालने के साथ साफ-सफाई का काम करता था। उसके साथ गांव का ही एक अन्य युवक लक्ष्मण यादव भी काम करता

था। सोमवार को मृत्युंजय डेयरी में तख्त पर सो रहा था। इसी दौरान वह अचानक नीचे गिर गया। उसे बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृत्युंजय के चाचा प्रेम सिंह ने बताया कि डेयरी पर उनके गांव का लक्ष्मण यादव भी काम करता है। उसी के बुलाने पर मृत्युंजय करीब 25 दिन पहले गांव से फरीदाबाद आया था। वह एत्मादपुर में बृजेश की डेयरी पर काम कर रहा था।

परिजनों का कहना है कि केवल तख्त से गिरने से मृत्यु होना उन्हें संदिग्ध लग रहा है। उनका आरोप है कि मृत्युंजय के शरीर पर चोट के निशान भी मिले हैं। परिजनों ने पूरे मामले की जांच की मांग की है। सेक्टर-31 थाने के एएसआई कृष्ण गोपाल ने बताया कि बीके अस्पताल से युवक की मौत की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

पीआरडी जवानों ...

सीएम ने कहा- आरोप-प्रत्यारोप वही करते हैं जो कुछ कर नहीं पाते। उन्हें लगता है कि हम कर नहीं सके, इन्होंने कैसे कर दिया। यही उनकी समस्या है। वे माफिया के आगे घुटने टेक देते थे। यहां क्या नहीं था, सबकुछ था। उर्वरा भूमि, सबसे अच्छे प्रगतिशील किसान, पढ़ी-लिखी बेटी, अच्छे व्यापारी, प्रतिभाशाली युवा थे। जिन्होंने प्रदेश को बीमार बना दिया, वे यहां के लोगों का इलाज क्या कर पाते।

योगी ने कहा- पिछली सरकारों का विकास केवल सैफई सिंडिकेट के विकास तक सीमित था। उनका विकास हो और बाकी भाड़ में जाएं। इसलिए वे गुंडागर्दी कराते थे। पहले पीआरडी जवानों को ड्यूटी नहीं मिलती थी। आज पीआरडी के जवान कम पड़ जाते हैं। कोई काम नहीं है तो उन्हें ट्रैफिक में लगाइए, मेट्रो की सुरक्षा का दायित्व दीजिए। पेट से कोई सीखकर नहीं आता, उसे ट्रेनिंग देनी होगी। ट्रेनिंग मिलेगी तो वह अच्छा काम करेगा और परिणाम देगा।

CM योगी ने कहा- पीआरडी जवानों को सुविधा मिली है तो उन्हें और बेहतर ढंग से काम करना होगा। हम सब भारत-वासियों का एक ही लक्ष्य होना चाहिए। वह है 'देश प्रथम'। जो बांटने का काम करते हैं, उनसे सावधान रहने की जरूरत है। CM योगी ने कहा- अब दंगाई और माफिया हमेशा के लिए रसातल में चले गए हैं। आज यूपी बीमारू नहीं रहा। विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। हमने यहां की अर्थव्यवस्था को तीन गुना कर दिया है।

पहले 43 हजार प्रति व्यक्ति आय थी, आज 1 लाख 20 हजार हो गई है। आज बजट 9 लाख 70 हजार करोड़ पहुंच गया है। वे लुटवाते थे, लूटते थे। प्रदेश का पैसा विदेशों में जमा करवाते थे।

मैं विधायक बना था...

खड़गे ने कहा, गोवा के 12 मंत्रियों में से 10 पूर्व कांग्रेस नेता हैं, जो पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। गद्दारों को वोट मत दीजिए। अगर आप उन्हें वोट देंगे, तो आप भी गद्दार बन जाएंगे।

उन्होंने कहा, 'बड़े शहरों के अमीर लोग गोवा में जमीन खरीद रहे हैं। क्या वे इसे आपकी भलाई के लिए खरीद रहे हैं या गोवा का मजाक बनाने के लिए। बाहर से आने वाले लोगों को जमीन खरीदकर मनमानी कीमतों पर घर बनाने और गोवा का शोषण करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। दिल्ली पुलिस ने राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ वंदे मातरम के अपमान से जुड़े मामले की जांच शुरू कर दी है। 16 अगस्त को IP एस्टेट थाने में एक वकील ने शिकायत की थी। इसमें दोनों नेताओं के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की गई है।

पीएम केयर्स फंड में ...

पीएम केयर फंड का इस्तेमाल समय-समय पर इमरजेंसी केयर बढ़ाने के लिए किया गया। केंद्र और राज्य सरकारों के अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगाने और वेंटिलेटर खरीदने पर पैसा खर्च किया गया।

2021-22 में प्रेशर स्विंग ऑक्सीजन प्लांट पर 1,703 करोड़ रुपए खर्च किए गए। वेंटिलेटर पर 835 करोड़ रुपए खर्च हुए। 2021-22 में फंड का कुल खर्च करीब 1,938 करोड़ रुपए था।

पीएम केयर्स फंड को सरकारी फंड नहीं माना गया है। सरकार पहले ही कह चुकी है कि यह एक चैरिटेबल फंड है और यह सीधे RTI के दायरे में नहीं आता है। हालांकि, इस फंड और RTI के दायरे पर सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है। पीएम केयर्स फंड का ऑडिट भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक CAG नहीं करता। एक इंडिपेंडेंट चार्टर्ड अकाउंटेंट इसका ऑडिट करता है।

इस फंड का इस्तेमाल केवल कोविड जैसी महामारी तक सीमित नहीं। इसका इस्तेमाल मेडिकल इमरजेंसी, नेचुरल डिजास्टर या किसी अन्य गंभीर संकट में राहत और सहायता के लिए किया जा सकता है।

आप नेता सत्येंद्र ...

एसीबी के मुताबिक, यह कार्रवाई भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की विभिन्न धाराओं और भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 10/2024 की जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर की गई है। यह मामला दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय की शिकायत पर 11 मई 2024 को दर्ज किया गया था। जांच में आरोप है कि दिल्ली जल बोर्ड के एसटीपी के उन्नयन और क्षमता बढ़ाने से संबंधित टेंडर प्रक्रिया में ऐसी तकनीकी शर्तें शामिल की गईं, जिनसे एक विशेष तकनीक प्रदाता कंपनी को फायदा पहुंचा और प्रतिस्पर्धा सीमित हुई। एसीबी के अनुसार प्रस्तावित पायलट अध्ययन नहीं कराया गया। साथ ही इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक और मीडिया को लेकर प्रतिबंधात्मक शर्तें जोड़ी गईं तथा उपचारित पानी के जरूरी मानकों को तकनीकी शर्तों से बाहर रखा गया।

जांच एजेंसी का दावा है कि इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण में निजी व्यक्तियों और कुछ सरकारी अधिकारियों के बीच टेंडर की शर्तों, शुद्धिपत्र और अन्य दस्तावेजों को लेकर बातचीत सामने आई। आरोप है कि इन दस्तावेजों में किए गए बदलाव बाद में एसटीपी के टेंडर में शामिल किए गए।

ट्रम्प ने होर्मुज को ...

खाड़ी देशों से दुनिया को भेजे जाने वाले करीब 20% कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट से होती है। फरवरी में अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने से पहले हर दिन करीब 2 करोड़ बैरल तेल इस रास्ते से होकर गुजरता था। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की एनर्जी सप्लाई काफी हद तक इसी रास्ते पर निर्भर है। इसी वजह से अमेरिका चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही जल्द से जल्द सामान्य हो। दूसरी ओर, ईरान ने साफ कर दिया है कि जब तक अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकाबंदी नहीं हटाता और समझौते में किए गए वादे पूरे नहीं करता, तब तक यह रास्ता नहीं खोला जाएगा।

'भाजपा सरकार में ...

उन्होंने कार्यकर्ताओं से भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी जिन प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारेगी, उनकी जीत के लिए सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही चुनाव में पार्टी की सफलता का आधार बनेगी। सपा अध्यक्ष ने प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में भ्रष्टाचार के कारण सड़कें और हाईवे जगह-जगह खराब हो रहे हैं। अखिलेश यादव ने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे का उल्लेख करते हुए निर्माण कार्यों में अनियमितता का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद सड़कें और एक्सप्रेस-वे क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे के पुल के ज्वाइंट में दरार आने का भी उन्होंने उल्लेख किया। इसके अलावा मुरादाबाद में शुरू होने से पहले ही निर्माणाधीन रिंग रोड के धंसने को लेकर भी सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

'जनता के पैसे की...

जनता की गाढ़ी कमाई से जुटाया गया पैसा निर्माण कार्यों में अनियमितताओं की भेंट चढ़ रहा है।

कॉकरोच पार्टी ...

हाफिज 18 जुलाई को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर गया था।

वहां से लौटने के बाद वह CJP के 'स्कूल ठीक करो' अभियान से जुड़ा। इसके बाद स्थानीय बीजेपी विधायक निर्मल धारा और उनके समर्थकों ने हाफिज को धमकाना शुरू कर दिया।

बंगाल पुलिस ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अब्दुल हाफिज के पिता को मामूली चोट लगी थी, जिसके लिए एक टांका लगाया गया था।

ऑस्ट्रेलियाई कोर्ट ने 1,500 डॉलर का जुर्माना लगाया, 12 महीने कार में इंटरलॉक डिवाइस लगाना होगा

डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने पर सजा

आदेश

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में दोषी ठहराया गया है। सिडनी की वॉवेर्ली लोकल कोर्ट ने मंगलवार को उन पर 1,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना लगाया। साथ ही उनकी कार में 12 महीने के लिए इंटरलॉक डिवाइस लगाने का आदेश दिया गया है। वॉर्नर को ईस्टर संडे के दिन सिडनी के बाहरी इलाके में रैंडम ब्रेथ टेस्टिंग के दौरान पकड़ा गया था। जांच में उनके ब्लड-अल्कोहल लेवल की रीडिंग 0.104 आई थी, जो कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा थी।

वॉर्नर की कार में 12 महीने के लिए इग्निशन इंटरलॉक डिवाइस लगाया जाएगा। यह एक छोटा उपकरण होता है, जिसे कार के

कोर्ट में सुनवाई के बाद डेविड वॉर्नर मीडिया से बात करते हुए।

डैशबोर्ड में लगाया जाता है। कार स्टार्ट करने से पहले ड्राइवर को इसमें सांस का नमूना देना होता है। डिवाइस सांस में अल्कोहल की मात्रा जांचता है। अगर निर्धारित सीमा से ज्यादा अल्कोहल मिलता है तो कार का इंजन स्टार्ट नहीं होता। कुछ सिस्टम ड्राइविंग के दौरान भी दोबारा सांस का नमूना मांग सकते हैं। 39 साल के वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 112 टेस्ट और 250 से ज्यादा लिमिटेड ओवर्स इंटरनेशनल मैच खेले हैं। उन्होंने 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। इसके बाद वे कमेंट्री के साथ-साथ फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी खेल रहे हैं। वॉर्नर फिलहाल सिडनी थंडर के कप्तान हैं और पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स के लिए भी खेलते हैं।

तीन ग्लास व्हाइट वाइन पीने की बात कबूली

कोर्ट में वॉर्नर ने बताया कि उन्होंने गाड़ी चलाने से पहले तीन ग्लास व्हाइट वाइन पी थी। उन्होंने पिछले महीने मिड-रेंज ड्रिंक ड्राइविंग का आरोप स्वीकार कर लिया था।

कोर्ट में बताया गया कि वॉर्नर ने सड़क किनारे ब्रेथ टेस्टिंग साइट देखकर अपनी कार रोकी और एक महिला यात्री के साथ सीट बदलने की कोशिश की थी।

वकील बोले- मीडिया कवरेज से नुकसान हुआ

वॉर्नर के वकील अवैस अहमद ने कोर्ट में कहा कि इस मामले की खबर दुनियाभर के मीडिया में आई, जिससे वॉर्नर को अतिरिक्त नुकसान उठाना पड़ा।

वकील के मुताबिक, ESPN, अल जजीरा और इंडियन एक्सप्रेस जैसे इंटरनेशनल मीडिया संस्थानों ने भी इस घटना को कवर किया। उन्होंने कहा कि भारत और बांग्लादेश जैसे देशों में शराब से जुड़ी घटनाओं को लेकर अलग तरह की सामाजिक स्वीकार्यता है, जहां वॉर्नर टी-20 फ्रेंचाइजी लीग्स में खेलने के कमर्शियल अवसर तलाश सकते हैं।

कार में यही डिवाइस इंटरलॉक कहलाती है। इसमें सांस का नमूना देना होता है।

- जुर्माने के अलावा वॉर्नर की कार में 12 महीने के लिए इंटरलॉक डिवाइस लगाया जाएगा। यह डिवाइस कार को तब स्टार्ट नहीं होने देगा, जब ड्राइवर के सिस्टम में शराब की मात्रा पाई जाएगी।
- जज क्लेयर फार्नन ने कहा कि वॉर्नर के दोबारा ऐसा अपराध करने की संभावना कम है, लेकिन न्यू साउथ वेल्स में होने वाली कई सड़क दुर्घटनाओं में शराब पीकर गाड़ी चलाना अब भी एक गंभीर कारण है।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

वेदराल्ड बाहर, रेनशॉ की वापसी पहले टेस्ट में मिली थी हार

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 22 अगस्त से मैके में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए 13 सदस्यीय टीम में एक बदलाव किया है। पहले टेस्ट में 9 विकेट की हार के बाद ओपनर जैक वेदराल्ड को टीम से बाहर कर दिया गया है।

उनकी जगह मैथ्यू रेनशॉ की वापसी हुई है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने एशेज में सफल रही ट्रैविस हेड और वेदरअल्ड की ओपनिंग जोड़ी को सिर्फ एक टेस्ट बाद तोड़ दिया है।

रेनशॉ को दूसरे टेस्ट में ट्रैविस हेड के साथ ओपनिंग करने का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने बैटिंग ऑर्डर को लेकर अंतिम फैसला नहीं किया है। विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस भी ओपनिंग के विकल्प हैं। उन्होंने पिछले साल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया XI के लिए इंग्लैंड

लायंस के खिलाफ ओपनिंग करते हुए 40 और नाबाद 125 रन बनाए थे। 30 साल के रेनशॉ ने अपना पिछला टेस्ट 2023 में भारत के खिलाफ दिल्ली में खेला था। उन्होंने पिछले शेफील्ड शील्ड सीजन में 10 पारियों में 3 शतक लगाए और करीब 50 की औसत से रन बनाए थे। मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में भी उनके नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दो शतक हैं।

वेदराल्ड को बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में दोनों पारियों में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। उन्होंने पहली पारी में 23 और दूसरी पारी में 0 रन बनाए। इसके साथ उनका टेस्ट करियर औसत 20.36 रह गया।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप उन्नति जीती, अब लक्ष्य सेन उतरेंगे

डबल्स में 4 भारतीय जोड़ियां खेलेंगी पीवी सिंधु और आयुष शेट्टी भी जीत चुके

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी (IG) स्टेडियम में चल रही BWF वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत की उन्नति हुड्डा ने जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। उन्होंने पहले राउंड में म्यांमार की थेत हमतार थुजार को हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

उन्नति के मुकाबले के बाद आज भारत के 5 मुकाबले बाकी हैं। इनमें लक्ष्य सेन मेंस सिंगल्स में उतरेंगे। इसके अलावा भारत की टीमें विमेंस डबल्स में 2 और मिक्स्ड डबल्स में 2 मुकाबले खेलेंगी।

भारत ने टूर्नामेंट के पहले दिन अच्छी शुरुआत की थी। पीवी सिंधु, आयुष शेट्टी और डबल्स की तीन जोड़ियां अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले राउंड में पहुंच चुकी हैं। लक्ष्य सेन राउंड ऑफ 64 में रोमानिया के कॉलिन्स फिलिमोन से

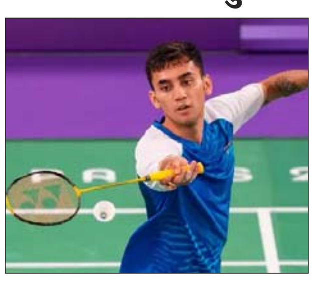

भिड़ेंगे। टूर्नामेंट में लक्ष्य का यह पहला मुकाबला होगा। लक्ष्य अटैकिंग गेम के दम पर जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगे। विमेंस सिंगल्स में उन्नति हुड्डा का मुकाबला म्यांमार की थुजार थेट हार तिन से होगा। यह भी राउंड ऑफ 64 का मुकाबला है।

मिक्स्ड डबल्स में के राउंड ऑफ 64 में भारत की 2 जोड़ियां खेलेंगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे के सामने कनाडा के जोनाथन बिंग त्सान लाई और क्रिस्टल लाई होंगे।

वहीं दूसरे मुकाबले में अशिथ सूर्य और अमृता प्रमुथेश का मुकाबला तुर्किये के एम्रे सोनमेज और यासेमेन बेक्तास से होगा। विमेंस डबल्स के दोनों मुकाबले राउंड ऑफ 32 में खेले जाएंगे। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी राउंड ऑफ 32 में बुल्गारिया की गैब्रिएला स्टोएवा और स्टेफानी स्टोएवा से भिड़ेगी।

दूसरे मैच में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका की लॉरेन लैम और एलिसन ली से खेलेगी। भारत के लिए टूर्नामेंट का पहला दिन बेहद खास रहा। आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड नंबर-1 और डिफेंडिंग चैंपियन चीन के शी यू ची को 21-14, 13-21, 21-19 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

दिव्या देशमुख-गायत्री गोपीचंद समेत 17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड

12 साल में पहली बार खेल रत्न किसी को नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्रालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 का ऐलान कर दिया है। 12 साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब किसी खिलाड़ी को खेल रत्न नहीं दिया गया हो। इससे पहले 2014 में ऐसा हुआ था। इस साल 17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुना

गया है। इनमें चेस खिलाड़ी दिव्या देशमुख, विदित गुजराती, एथलीट तेजस्विन शंकर और बैडमिंटन खिलाड़ी गायत्री गोपीचंद व तृषा जॉली जैसे नाम शामिल हैं। फुटबॉल के दिग्गज 84 साल के आई. अरुमायनायगम को अर्जुन अवॉर्ड की लाइफटाइम कैटेगरी में चुना गया है। वे 1962 के जकार्ता एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। चेस में दिव्या देशमुख और विदित गुजराती को अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुना गया है। दिव्या ने 2025 में FIDE विमेंस वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। वह भारत की प्रमुख महिला चेस खिलाड़ियों में शामिल हैं।

त्रिसा जॉली–गायत्री गोपीचंद ने 2025 में जीता था सैयद मोदी इंटरनेशनल का महिला डबल्स खिताब

तेजस्विन शंकर भी सूची में

एथलेटिक्स में तेजस्विन शंकर को अर्जुन अवॉर्ड दिया जाएगा। वह हाई जंप के साथ डेकाथलॉन में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स में डेकाथलॉन में मेडल जीतकर उन्होंने इतिहास बनाया था।

बैडमिंटन में गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली को अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुना गया है। दोनों महिला डबल्स में भारत की प्रमुख खिलाड़ियों में रहे हैं।

मनोरंजन

शाहरुख के घर मन्नत में दो सांप दिखे

रेस्क्यू टीम ने एक पकड़ा, करीब 8 फीट लंबा था, दूसरे की तलाश हो रही

नई दिल्ली। शाहरुख खान के मुंबई स्थित मशहूर बंगले मन्नत में 17 अगस्त को लॉन में दो सांप दिखे। सुरक्षा के मद्देनजर तुरंत रेस्क्यू टीम को बुलाया गया। टीम ने एक सांप पकड़ लिया है, हालांकि दूसरा सांप अब भी बंगले में ही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार रात करीब 8 बजे एक स्नेक रेस्क्यूअर को मन्नत के अंदर दो सांप दिखने की जानकारी दी गई। इसके बाद बंगले में तलाशी शुरू की गई, जिसमें एक सांप को सुरक्षित पकड़ लिया गया।

रेस्क्यू किए गए सांप की लंबाई करीब 8 फीट थी। उसकी पहचान धामन के रूप में हुई, जिसे इंडियन रैट स्नेक भी कहा जाता है। यह सांप गैर-जहरीला होता है और बंगले के परिसर में एक सीढ़ी के नीचे छिपा मिला। रेस्क्यू की कोशिश पूरी तरह सफल नहीं रही। परिसर में लोगों की आवाजाही शुरू होने पर दूसरा सांप भाग गया। देर शाम तक उसकी तलाश जारी रही, लेकिन वह नहीं मिला। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सांप के गैर-जहरीला होने की जानकारी मिलने के बाद मन्नत के सिक्योरिटी गार्ड्स और स्टाफ ने राहत महसूस की। शाहरुख ने 1997 में अपनी फिल्म यस बॉस की शूटिंग के दौरान मन्नत को पहली बार देखा। समुद्र के किनारे खड़ा यह बंगला उनकी नजर में बिल्कुल सपनों जैसा था। चुनौती यह थी कि एक सक्सेसफुल एक्टर होने के बावजूद शाहरुख के पास इतने बड़े घर को खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे।

मन्नत में नहीं रह रहे हैं शाहरुख खान

शाहरुख खान के बंगले मन्नत में पिछले कुछ महीनों से रेनोवेशन का काम जारी है, जिसके चलते वह अपनी फैमिली के साथ बांद्रा के एक लग्जरी अपार्टमेंट में रह रहे हैं। पाली हिल बांद्रा के चार मंजिला लग्जरी अपार्टमेंट पूजा कासा का किराया हर महीने 24 लाख है। इस अपार्टमेंट में शाहरुख और उनका परिवार अगले 2 साल तक रहेगा। इस लग्जरी अपार्टमेंट को फिल्म प्रोड्यूसर वासु भगनानी ने बनाया है, जिसका मालिकाना हक प्रोड्यूसर के बेटे जैकी भगनानी और बेटी दीपशिखा देशमुख के पास है।

इस बंगले का आधिकारिक नाम मन्नत लैंड्स एंड है। यह मुंबई के बांद्रा इलाके के बैंडस्टैंड में स्थित है। समुद्र के सामने बना शाहरुख का यह घर समय के साथ मुंबई की मशहूर जगहों में शामिल हो गया है। शाहरुख को देखने की उम्मीद में फैंस अक्सर बंगले के बाहर जमा होते हैं।

गुलजार के लिखे गीत पर भड़क गए थे 'पंचम दा'

गुस्से में बना डाला मास्टरपीस गाना

नई दिल्ली। गुलजार साहब ने भारतीय सिनेमा को कई यादगार और कल्ट गाने दिए हैं और जिसने सदाबहार उन्होंने गाने दिए हैं उतने ही मजेदार किस्से उन गीतों के पीछे छुपे हुए हैं। एक ऐसा ही किस्सा है गुलजार साहब के लिखे गाने पर आर डी बर्मन यानी पंचम दा के गुस्सा होने का। ये बात है कुछ 4 दशक पहले की, जब 'पंचम दा' और गुलजार साहब एक फिल्म के लिए एक साथ संगीत तैयार कर रहे थे। तो जब गुलजार साहब (Gulzar) ने एक गीत के लिरिक्स लिखकर दिए तो वे आर डी बर्मन साहब (RD Burman) को बड़े अजीब लगे। क्योंकि उन लिरिक्स में कोई राइमिंग नहीं बैठ रही थी तो पंचम दा ने कहा

कि इसे कैसे कंपोज करूं, इस पर कैसे कोई धुन बनेगी। उन्होंने गुस्से में यह तक कह डाला था कि ऐसे तो कल से किसी अखबार की हेडलाइन ले आओगे। हालांकि कोई और चारा नहीं था तो पंचम दा ने गुस्से में ही इस गाने की धुन तैयार की वो भी सिर्फ 15 मिनट में। कमाल ये था कि गुस्से में बनाये गए इस गाने के लिए गुलजार को लिरिक्स लिखने और आशा भोसले को गायकी के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला था।

सुशांत केस के बाद रिया के पिता की नौकरी गई

सरनेम पता चलने पर अस्पताल ने कहा- आप यहां नौकरी नहीं कर सकते, नहीं था कोई रोजगार

नई दिल्ली। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने बताया कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उनके परिवार को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। 2020 में हुई इस घटना के बाद रिया लगातार लोगों और जांच एजेंसियों की नजर में रहीं। जब उनकी गिरफ्तारी हुई तो भाई का करियर बर्बाद हो गया और पिता को भी अस्पताल की नौकरी से निकाल दिया गया।

फराह खान के यूट्यूब व्लॉग में रिया ने बताया, 'हमारे पास कोई काम नहीं था, हम घर में बैठे रहते थे। पूरे समाज ने हमें ठुकरा दिया था। फिल्में भी मिल नहीं रही थीं। शौविक को नौकरी भी नहीं मिल रही थी। कोई कॉर्पोरेट उसे लेने को तैयार नहीं थे।'

आगे उन्होंने कहा, 'पापा को शहर के एक बहुत बड़े अस्पताल में

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया के पिता से भी कई दिन पूछताछ हुई थी।

मेडिकल सुपरिंटेंडेंट की बहुत बड़ी नौकरी मिली थी। फिर उन्हें उनका सरनेम पता चला और कहा गया- माफ कीजिए, आप रिया चक्रवर्ती के पिता हैं, इसलिए आप यहां काम नहीं कर सकते।' 14 जून 2020 में हुई सुशांत की मौत के बाद रिया जांच के घेरे में आ गई थीं। जांच से जुड़े ड्रग मामले में रिया और उनके भाई शौविक चक्रवर्ती को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गिरफ्तार किया था।

रिया कुछ समय जेल में भी रही थीं। वह पहले बता चुकी हैं कि इस पूरे दौर का उनकी मानसिक सेहत पर असर पड़ा और उन्हें PTSD हुआ था। बाद में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने सुशांत की मौत के मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की। इस रिपोर्ट में रिया को मामले के आरोपों से मुक्त किया गया, जिससे उन्हें कई साल की जांच के बाद राहत मिली।

भाई को मिला आईआईएम में एडमिशन, लेकिन जेल जाने से पढ़ाई छूटी

रिया ने ये भी बताया है कि सुशांत की मौत से पहले उनके भाई शौविक को CAT में 97 प्रतिशत मिले थे और उसका एडमिशन IIM में हुआ था, लेकिन रिया के साथ उनकी भी गिरफ्तारी हो गई। पूरी फीस जमा होने के बावजूद वो पढ़ाई पूरी नहीं कर सके। रिया ने बताया है कि उन्हें कहीं नौकरी तक नहीं मिली।

ब्रिटिश सरकार वापस पाक भेजने पर अड़ी

30 बच्चों से दुष्कर्म के दोषी पर ब्रिटेन-पाकिस्तान में विवाद

शोषण

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन और पाकिस्तान के बीच एक यौन अपराधी को लेकर विवाद शुरू हो गया है। शाबिर अहमद ब्रिटेन के कुख्यात ग्रूमिंग गैंग से जुड़ा हुआ है। उसे 30 बच्चों के यौन शोषण का दोषी पाया गया है। शाबिर मूल रूप से पाकिस्तान का रहने वाला है लेकिन उसके पास ब्रिटिश नागरिकता है। अब ब्रिटेन शाबिर को पाकिस्तान भेजना चाहता है, लेकिन इस्लामाबाद ने उसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान ने ब्रिटेन को चेतावनी दी है कि अगर शाबिर को रखने का दबाव बनाया गया, तो वह अवैध प्रवासियों को वापस लेने, सुरक्षा सहयोग और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे मुद्दों पर फिर से विचार कर सकता है। ब्रिटेन और पाकिस्तान के बीच 2022 से एक समझौता है। इसके तहत पाकिस्तान अपने उन नागरिकों को वापस लेता है, जिन्हें ब्रिटेन में रहने की अनुमति नहीं है। किसी व्यक्ति को पाकिस्तान वापस भेजने से पहले उसकी पहचान और नागरिकता की पुष्टि की जाती है। इसके बाद पाकिस्तान उसके लिए जरूरी यात्रा दस्तावेज जारी करता है और उसे वापस भेज दिया जाता है। इस समझौते में सिर्फ लोगों को वापस भेजना ही शामिल नहीं है। दोनों देश अवैध प्रवासन, मानव तस्करी और संगठित अपराध से निपटने में भी एक-दूसरे का सहयोग करते हैं। ब्रिटेन और पाकिस्तान के बीच 2022 में हुआ रिटर्न्स समझौते के तहत पाकिस्तान अपने उन नागरिकों को वापस लेता है, जिन्हें ब्रिटेन में रहने का कानूनी अधिकार नहीं है।

ब्रिटेन ने शाबिर अहमद की ब्रिटिश नागरिकता पहले ही खत्म कर दी थी। वहीं, पाकिस्तान का कहना है कि शाबिर ने अपनी पाकिस्तानी नागरिकता भी छोड़ दी थी। ऐसे में इस्लामाबाद का दावा है कि उसे पाकिस्तानी नागरिक नहीं मान सकता।

इस्लामाबाद ने दी चेतावनी

14 साल जेल की सजा काट चुका शाबिर अहमद

73 वर्षीय शाबिर अहमद पाकिस्तान मूल का है। बच्चों के यौन शोषण मामले में उसे 22 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। वह करीब 14 साल जेल में काट चुका है और हाल ही में रिहा हुआ है। ब्रिटेन उसकी नागरिकता समाप्त कर चुका है और अब उसे पाकिस्तान भेजने की कोशिश कर रहा है। हालांकि पाकिस्तान का कहना है कि शाबिर ने अपना अधिकांश जीवन ब्रिटेन में बिताया, वहीं उसका पालन-पोषण हुआ और वहीं उसने अपराध किए, इसलिए उसकी जिम्मेदारी भी ब्रिटेन को ही उठानी चाहिए।

वीजा प्रतिबंध की खबरों से भी नाराज पाकिस्तान

ब्रिटेन की कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अगर पाकिस्तान शाबिर अहमद को वापस लेने से इनकार करता है, तो ब्रिटिश सरकार पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा पर सख्ती कर सकती है। कुछ रिपोर्टों में पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक सहायता घटाने की भी बात कही गई है। हालांकि, ब्रिटेन की ओर से इन कदमों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन पाकिस्तानी अधिकारियों ने इसे लेकर नाराजगी जताई है। डेली टेलीग्राफ से बातचीत में एक अधिकारी ने कहा कि अगर वीजा और आर्थिक मदद को दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया, तो इससे दोनों देशों के रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

बंटवारे के समय जिन्ना की बीमारी को रखा गुप्त

अब मुंबई के दो डॉक्टरों को मिलेगा पाकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान

इस्लामाबाद, एजेंसी

बॉम्बे (अब मुंबई) के दो भारतीय पारसी डॉक्टरों को पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलने वाला है। उन्हें यह सम्मान 1947 में बंटवारे से पहले के अहम समय में पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना की जानलेवा बीमारी की जानकारी को गुप्त रखने के लिए दिया जा रहा है।

इस्लामाबाद ने डॉक्टर जल रतनजी पटेल और रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर जल धायभो-कू को निशान-ए-इम्तियाज अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया है। प्लानिंग, डेवलपमेंट और स्पेशल इनिशिएटिव्स के मिनिस्टर और अवॉर्ड कमिटी के हेड अहसान इकबाल ने बताया कि उन्हें यह सम्मान उनकी शांत लेकिन असाधारण सेवा के लिए दिया जा रहा है, जिसके तहत उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि जिन्ना की गंभीर

बीमारी की जानकारी सिर्फ उनके करीबी लोगों तक ही सीमित रहे।

एक्स पर एक पोस्ट में अहसान इकबाल ने बताया कि डॉ. पटेल और डॉ. धायभो-कू ने 1946 में जिन्ना के एक्स-रे की जांच की थी और पाया था कि उनकी टीबी की बीमारी काफी बढ़ चुकी थी और उनके पास जीने के लिए बस एक-दो साल ही बचे थे लेकिन उन्होंने उनकी बीमारी की गंभीरता के बारे में पेशेवर गोपनीयता बनाए रखी। एक ऐसा राज जिसके बारे में कई इतिहासकारों का मानना था कि अगर यह पता चल जाता तो बंटवारे और पाकिस्तान के बनने का समय बदल सकता था।

फास्ट न्यूज

'सऊदी अरब में भीख न मांगें'

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सऊदी अरब में हज और उमराह के लिए जाने वाले अपने नागरिकों को सख्त चेतावनी दी है। पाकिस्तानी दूतावास ने कहा है कि भीख मांगना, बिना अनुमति पैसे इकट्ठा करना और वीजा नियमों का उल्लंघन न करें, वरना गिरफ्तारी, हिरासत और देश निकाला हो सकता है। सऊदी अरब स्थित पाकिस्तानी दूतावास ने उमराह यात्रियों और मजदूरों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश जारी किया है।

ट्रंप के 57 अधिकारियों की संपत्ति 10 करोड़ डॉलर से अधिक

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन में अत्यधिक अमीर लोगों को शामिल करने के मामले में इतिहास रच दिया है। उपभोक्ता वकालत समूह पब्लिक सिटिजन की सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप द्वारा नियुक्त किए गए 950 करोड़ से अधिक संपत्ति वाले अधिकारियों की संख्या पिछले तीन राष्ट्रपतियों के कुल आंकड़ों से भी चार गुना ज्यादा है। खुद एक अरबपति कारोबारी रहे ट्रंप ने हमेशा से इस फैसले का बचाव किया है, उनका मानना है कि इतनी बड़ी वित्तीय कामयाबी ही किसी व्यक्ति की प्रशासनिक क्षमता और योग्यता का सबसे बड़ा सबूत है।

'भारत में हर वोटर के पास वैलिड आईडी'

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को भारत की चुनाव प्रणाली की तारीफ करते हुए अमेरिका में मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) अनिवार्य करने की जोरदार वकालत की। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इस महीने की शुरुआत में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा आप बिना वैध फोटो आईडी के अमेरिका में चुनाव कैसे करवा सकते हैं?

जेल में बंद इमरान खान को पाक सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

इलाज के लिए अस्पताल भेजने का आदेश

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बड़ी राहत देते हुए देश की सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जेल से एक प्राइवेट अस्पताल में शिफ्ट करने का आदेश दिया है। अदालत का यह फैसला इमरान के गिरते स्वास्थ्य को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच आया है।

उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ और उनके परिवार के सदस्य काफी समय से उन्हें अस्पताल ले जाने की मांग कर रहे थे, जिसका अदालत ने संज्ञान लिया। पीटीआई के प्रवक्ता नईम हैदर पंजुथा के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि इमरान खान को अगले 48 घंटों के भीतर शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में शिफ्ट किया जाए। अदालत ने कहा है कि इमरान 16 सितंबर तक इसी अस्पताल में भर्ती रहेंगे।

आंखों की रोशनी जाने का खतरा

क्रिकेटर से राजनेता बने 73 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। पिछले साल से ही उनके बेटे और परिवार के अन्य सदस्य लगातार उनके बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त कर रहे थे। इमरान के वकीलों ने दावा किया था कि जेल में रहने के दौरान उनकी दाहिनी आंख की रोशनी काफी कम हो गई है और उन्हें गंभीर चिकित्सा देखभाल की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का PTI ने स्वागत किया है। पार्टी के प्रवक्ता जुल्फिकार बुखारी ने कहा कि यह एक बहुत ही स्वागत योग्य आदेश है।

फिर खुदकुशी की, फायरिंग का वीडियो फेसबुक पर लाइव किया, 2 गार्ड भी मारे गए

फिलीपींस के स्कूल में छात्र ने क्लासमेट को गोली मारी

मनीला, एजेंसी

फिलीपींस के जाम्बोआंगा शहर में मंगलवार को एक स्कूल में गोलीबारी हुई है। एक छात्र ने अपने ही स्कूल के एक दूसरे छात्र को गोली मार दी। इसके बाद उसने खुद भी जान दे दी। फायरिंग में दो सुरक्षा गार्डों की भी मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हुए हैं।

घटना एटेनियो डी जाम्बोआंगा यूनिवर्सिटी के स्कूल कैंपस में हुई। पुलिस का कहना है कि आरोपी छात्र ने हमले का कुछ हिस्सा फेसबुक पर लाइव भी दिखाया था। घटना के बाद स्कूल में हड़कंप मच गया और छात्रों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया।

विभाग ने लोगों से यह भी कहा है कि बिना पुष्टि वाली खबरें, फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर न करें। इससे पहले जून में ताकलोबान शहर के एक स्कूल में हुई गोलीबारी में 3 छात्रों की मौत हो गई थी और 20 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। ताजा घटना के बाद स्कूलों की सुरक्षा और छात्रों तक हथियार पहुंचने को लेकर फिर से सवाल उठने लगे हैं।

फिलीपींस के शिक्षा विभाग ने कहा है कि घटना से प्रभावित छात्रों, परिवारों और स्कूल कर्मचारियों को जरूरी मदद दी जाएगी।

इसके लिए काउंसलिंग और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि लोग इस सदमे से बाहर निकल सकें।

पहले शिक्षक पर गोली चलाई, फिर छात्र को निशाना बनाया

पुलिस के मुताबिक, आरोपी कक्षा 9 का छात्र मोहम्मद मैल जलानी था। वह दो पिस्तौल लेकर स्कूल आया था। पहले उसने एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन वह बच गए। इसके बाद उसने कक्षा 10 के एक छात्र को गोली मार दी। फिर ऊपर की मंजिल पर गया और वहां से कूदकर जान दे दी। फिलीपींस के गृह मामलों के मंत्री जॉनविक रेमुल्ला ने बताया कि आरोपी सीढ़ियां चढ़ते समय फेसबुक पर लाइव वीडियो बना रहा था।

घटना के बाद स्कूल ने सीनियर हाईस्कूल की क्लास बंद कर दीं। छोटे बच्चों को सुरक्षित रखा गया है और सभी बच्चों की गिनती कर ली गई है। वे अपने टीचर्स के साथ हैं। पुलिस ने बच्चों के माता-पिता से घबराने के बजाय स्कूल की तरफ से दी जा रही जानकारी और निर्देशों का पालन करने को कहा है।

ईरान युद्ध के चलते गिरावट, 80% अमेरिकी बोले- जंग लंबी चलेगी

ट्रम्प की लोकप्रियता घटी सिर्फ 33% लोगों की पसंद

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की लोकप्रियता ईरान युद्ध के बीच लगातार घट रही है। रॉयटर्स/इप्सोस के ताजा सर्वे में सिर्फ 33% अमेरिकियों ने ट्रम्प के कामकाज को मंजूरी दी। वहीं 64% लोगों ने उनके कामकाज को नापसंद किया। यह ट्रम्प के मौजूदा राष्ट्रपति कार्यकाल की सबसे कम अप्रूवल रेटिंग है।

इससे पहले इसी महीने हुए सर्वे में ट्रम्प की अप्रूवल रेटिंग 35% थी। मौजूदा 33% की रेटिंग उनके पहले कार्यकाल के दिसंबर 2017 में दर्ज सबसे निचले स्तर के बराबर है।

सर्वे में 80% अमेरिकियों ने कहा कि ईरान के साथ अमेरिका की जंग लंबे समय तक चल सकती है। इनमें 87% डेमोक्रेट और 71% रिपब्लिकन शामिल हैं। सिर्फ 16% लोगों का मानना है कि यह युद्ध कुछ हफ्तों में खत्म हो जाएगा। वहीं केवल 5 में से 1 अमेरिकी का मानना है कि ईरान के खिलाफ युद्ध करना सही फैसला था।

अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून को एक समझौता ज्ञापन (MOU) हुआ था। इसके तहत दोनों देशों के बीच बातचीत के लिए 60 दिन का समय तय किया गया था। इस अवधि में कई अहम मुद्दों पर समाधान निकालने की कोशिश की जानी थी। लेकिन 60 दिन पूरे होने के बाद भी प्रमुख मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी। होर्मुज स्ट्रेट खोलने, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और स्थायी शांति समझौते को लेकर दोनों देशों की स्थिति अलग बनी हुई है।

ट्रम्प का ईरान से बातचीत की डेडलाइन बढ़ाने से इनकार

ट्रम्प ने ईरान के साथ शांति वार्ता के लिए तय 60 दिन की समयसीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया है। सोमवार को यह डेडलाइन खत्म हो गई। ट्रम्प ने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन वह उस तरह की डील के लिए तैयार नहीं है, जिसे अमेरिका जरूरी मानता है।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा, "वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन वे उस तरह का समझौता नहीं करने जा रहे, जिसे मैं जरूरी मानता हूं।" अमेरिका की प्रमुख मांग ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना है। वहीं, ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ऊर्जा के लिए जारी रखने की बात कहता रहा है। यही दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा विवाद बना हुआ है।

ईरान ने कहा- 60 दिन की डेडलाइन का कोई मतलब नहीं

ईरान ने भी बातचीत की समयसीमा बढ़ाने को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि दोनों देशों के बीच वास्तव में कोई बातचीत शुरू ही नहीं हुई थी। उन्होंने कहा, "हमने कोई बातचीत शुरू ही नहीं की थी और अमेरिका ने शुरुआत से ही समझ को तोड़ दिया। इसलिए 60 दिन का मुद्दा प्रासंगिक नहीं है।"

ईरान का कहना है कि अमेरिका ने समझ के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं कीं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन होंगी शबनम सिन्हा

सुनील मित्तल 10 साल बाद पद छोड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयर-पर्सन शबनम सिन्हा होंगी। वे 1 अक्टूबर 2026 से यह पद संभालेंगी। शबनम नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन सुनील भारती मित्तल की जगह लेंगी। मित्तल 30 सितंबर को अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करके बोर्ड से हट जाएंगे। डॉ. शबनम सिन्हा के पास बैंकिंग, गवर्नेंस और डिजिटल बदलाव का 30 से ज्यादा सालों का ग्लोबल अनुभव है। उन्होंने 2010-2025 यानी 15 साल वर्ल्ड बैंक में बतौर लीड स्पेशलिस्ट काम किया। यहां उन्होंने एशिया, यूरोप और अफ्रीका में 4 बिलियन डॉलर यानी करीब 38,000 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाली।

वर्ल्ड बैंक से पहले वह IL&FS एजुकेशन की CEO रह चुकी हैं और USAID व NCERT के साथ भी लंबे समय तक काम कर चुकी हैं।

फिलहाल वह एयरटेल पेमेंट्स बैंक, वेदांता और भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन जैसे बड़े संस्थानों के बोर्ड में शामिल हैं। डॉ. शबनम ने कहा कि एयरटेल पेमेंट्स बैंक की कमान संभालना मेरे लिए गर्व की बात है, खासकर ऐसे वक्त में जब डिजिटल बैंकिंग देश की तरक्की में सबसे अहम रोल निभा रही है। बैंक ने आसान तकनीक के जरिए एक ऐसा मजबूत और भरोसेमंद जरिया तैयार किया है, जो देश के करोड़ों लोगों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचा रहा है। मैं सुनील मित्तल जी और बोर्ड के इस भरोसे के लिए उनका शुक्रिया अदा करती हूं और बैंक को और आगे ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

घटना : पटरियों पर बैठकर गाना गाया, बोला- मुझे अंग्रेजी नहीं आती, ट्रेन सर्विस रोकनी पड़ी

कनाडा के वैंकूवर में ट्रेन ट्रैक पर चढ़ा सिख शख्स

वैंकूवर, एजेंसी

कनाडा के वैंकूवर में एक सिख शख्स के स्काई ट्रेन के ट्रैक पर चले जाने से ट्रेन सेवा रोकनी पड़ी। शख्स काफी देर तक पटरियों पर बैठा रहा और वहां गाना गाता नजर आया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में शख्स बार-बार "आई डॉन्ट नो इंग्लिश" यानी मुझे अंग्रेजी नहीं आती है, कहते सुनाई दे रहा है। वीडियो में वह पटरियों पर उछल-कूद करता और गाना गाता भी नजर आ रहा है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस-कर्मियों ने शख्स को ट्रैक से बाहर निकाल लिया। उसे हटाए जाने के दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने तालियां भी बजाईं। इसके बाद पुलिस और ट्रेन कर्मचारी पहले व्यक्ति को ट्रैक से बाहर निकालते हैं। फिर यह जांच की जाती है कि ट्रैक पूरी तरह खाली और सुरक्षित है या नहीं। सुरक्षा की पुष्टि होने के बाद ही ट्रेन सेवा दोबारा शुरू की जाती है। स्काई ट्रेन की कई ट्रेनें एक ही नेटवर्क से जुड़ी होती हैं। इसलिए ट्रैक के किसी एक हिस्से में सुरक्षा से जुड़ी समस्या होने पर उसका असर आसपास चल रही दूसरी ट्रेनों पर भी पड़ सकता है।

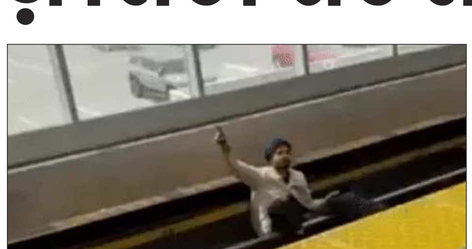

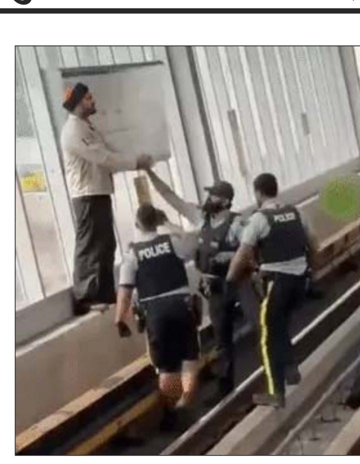

"शख्स के ट्रैक पर मौजूद होने के कारण स्काई ट्रेन की आवाजाही प्रभावित हुई। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए ट्रेन सेवा को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। किस वजह से शख्स ट्रैक पर गया था, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। उसके खिलाफ पुलिस ने क्या कानूनी कार्रवाई की, इसकी भी पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं है।

स्काई ट्रेन क्या है और यह कैसे चलती है?

वैंकूवर की स्काई ट्रेन एक तरह की मेट्रो ट्रेन है। इसकी खासियत यह है कि इसे चलाने के लिए ट्रेन में ड्राइवर की जरूरत नहीं पड़ती। इसका संचालन कंप्यूटर आधारित स्वचालित सिस्टम से होता है। इसमें संचार आधारित ट्रेन नियंत्रण प्रणाली ट्रेन की गति, ब्रेक, दिशा और दरवाजों जैसी कई चीजों को नियंत्रित करती है। अगर ट्रैक पर कोई व्यक्ति पहुंच जाए, तो सुरक्षा व्यवस्था के तहत ट्रेन संचालन को नियंत्रित किया जाता है। ऐसी स्थिति में ट्रेन के संचालन से जुड़े सिस्टम और कंट्रोल सेंटर सक्रिय होकर ट्रेनों की आवाजाही को रोकने या नियंत्रित करने में मदद करते हैं। स्काई ट्रेन का बड़ा हिस्सा सड़क के ऊपर बने ट्रैक पर चलता है। कुछ हिस्सों में यह जमीन के नीचे भी जाती है। स्काई ट्रेन के ट्रैक पर आम लोगों का जाना बेहद खतरनाक होता है। ट्रेन के ट्रैक पर किसी व्यक्ति के पहुंचने की जानकारी मिलते ही सुरक्षा के लिए संबंधित हिस्से में ट्रेन की आवाजाही रोक दी जाती है।

शी जिनपिंग ने तियानमेन प्रदर्शन कुचलने को सही ठहराया

बोले- कम्युनिस्ट पार्टी का फैसला सही था

बीजिंग, एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 1989 के तियानमेन प्रदर्शन को रोकने के लिए कम्युनिस्ट पार्टी की कार्रवाई का समर्थन किया। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जियांग जेमिन की भी तारीफ की। शी ने कहा कि उस समय जियांग ने पार्टी के फैसले का साथ दिया और शंघाई में हालात को काबू में रखने में अहम भूमिका निभाई। शी ने यह बात सोमवार को पूर्व राष्ट्रपति जियांग जेमिन की 100वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने चीन के सामने मौजूद चुनौतियों का भी जिक्र किया। शी ने लोगों से मुश्किल वक्त में हार न मानने और हर चुनौती का डटकर सामना करने की अपील की। 1989 में चीन की राजधानी बीजिंग के तियानमेन स्क्वायर पर लोकतांत्रिक सुधारों की मांग को लेकर बड़े प्रदर्शन हुए थे। कई हफ्तों तक चले इन प्रदर्शनों में हजारों छात्र और आम नागरिक शामिल हुए थे।

इसके बाद चीनी सेना ने प्रदर्शन-कारियों के खिलाफ बल प्रयोग किया और प्रदर्शन को कुचल दिया। कार्रवाई में सेना और टैंकों का इस्तेमाल किया गया था।

इस घटना में कितने लोगों की मौत हुई, इसका कोई पक्का आंकड़ा नहीं है। चीन की सरकार ने 200 से ज्यादा लोगों की मौत की बात कही थी। वहीं, अलग-अलग विदेशी स्रोतों और अनुमानों में मृतकों की संख्या सैकड़ों से लेकर हजारों तक बताई गई है। तियानमेन की यह घटना आज भी चीन में बेहद संवेद-नशील मानी जाती है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96